पाक्षिक

क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर



जिला स्तरीय तिलहन मेले में सांसद विजय बघेल ने किसानों को किया संबोधित



शिवम पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस

◆ वर्ष - 23 ◆ अंक - 09 ◆ रायपुर 05 नवंबर 2026 ◆ पृष्ठ - 08 ◆ मूल्य-5/- रुपया

सार समाचार

वॉट्सएप पर EPFO सर्विस लॉन्च, 5 नए ट्रांजेक्शन देख सकेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मंसुख मांडविया ने वॉट्सएप पर EPFO सेवाएं शुरू कीं। अब EPF सब्सक्राइबर EPFO की वेरिफाइड वॉट्सएप सेवा से PF बैलेंस, 5 नए ट्रांजेक्शन और पासबुक की जानकारी देख सकेंगे। इस सेवा के जरिए PMVBRY से जुड़ी जरूरतें पूरी करने में व्यक्तिगत मार्गदर्शन और मदद भी मिलेगी। इससे रोजमर्रा की सेवाएं मोबाइल पर मिलेंगी और EPFO ऑफिस जाने की जरूरत घटेगी। EPFO के 74वें स्थापना दिवस समारोह में मांडविया ने निष्क्रिय EPF खातों के ऑटोमैटिक सेटलमेंट की सुविधा भी लॉन्च की।आधार से वेरिफाइड ऐसे खातों में 1000 रुपए तक का बैलेंस होने पर सब्सक्राइबर को अलग से क्लेम नहीं करना होगा। श्रम मंत्रालय के बयान के मुताबिक, सब्सक्राइबर EPFO की वेरिफाइड वॉट्सएप सेवा से अपने PF बैलेंस और पांच नए ट्रांजेक्शन देख सकेंगे।

पंजाब में 2 आप विधायकों ने पार्टी छोड़ी

पटियाला। पंजाब में आम आदमी पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है. पटियाला जिले की समाना विधानसभा सीट से विधायक चेतन सिंह जोड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया. दोनों नेताओं का इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब आम आदमी पार्टी ने एक दिन पहले ही 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी. हालांकि, आम आदमी पार्टी ने अभी तक समाना और सनौर विधानसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित नहीं किए हैं. ऐसे में दोनों विधायकों के इस्तीफे के बाद पंजाब की राजनीति में हलचल तेज हो गई है. सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा ने अपना इस्तीफा आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को भेजा है. वहीं, समाना से विधायक और पंजाब के पूर्व मंत्री चेतन सिंह जोड़ामाजरा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पार्टी छोड़ने का ऐलान किया।

फांस में सरकारी ब्लड बैंक का कूलिंग सिस्टम हैक

पेरिस। फांस में हैकर्स ने ब्लड बैंक के कोल्ड स्टोरेज सिस्टम पर हमला किया। हमलावरों ने फ्रीजर का तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस से बढ़ाकर 110 डिग्री सेल्सियस तक करने की कोशिश की। हालांकि, अलार्म सिस्टम ने समय रहते गड़बड़ी पकड़ ली। इससे खून और प्लाज्मा के नमूनों को कोई नुकसान नहीं हुआ। फांस के साप्ताहिक अखबार 'ले कनार आंचेने' ने बुधवार को सबसे पहले इस साइबर हमले की खबर दी थी। इसके बाद मामले का खुलासा हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक ब्लड स्टोरेज सिस्टम में प्रवेश के लिए डिफॉल्ट पासवर्ड का इस्तेमाल किया गया था। फांस के ब्लड बैंक का संचालन करने वाली संस्था फ्रेंच ब्लड एस्टैब्लिशमेंट (EFS) के मुताबिक फीजर में रखे प्लाज्मा को सुरक्षित दूसरी जगह भेज दिया गया है।

आधुनिक तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में बढ़ रहा भारत

रायपुर, केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में सात अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, महत्वपूर्ण खनिज, अंतरिक्ष अनुसंधान, एयरोस्पेस तकनीक, ग्रामीण एवं जनजातीय स्वास्थ्य, कंप्यूटेशनल मैकेनिक्स तथा नैनोसाइंस और सतत ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्थापित ये केंद्र छत्तीसगढ़ को वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उद्यमिता के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आधुनिक तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर रहा है। देश में अनुसंधान,

एनआईटी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का केंद्रीय मंत्री ने किया उद्घाटन



तकनीकी विकास और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की निर्णायक भूमिका होगी तथा देश की युवा प्रतिभाएं इस परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति बनेंगी।केंद्रीय मंत्री श्री रेड्डी ने कहा कि आज दुनिया तेजी से तकनीकी परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल भविष्य की तकनीक नहीं, बल्कि वर्तमान में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि, प्रशासन और अर्थव्यवस्था में व्यापक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम बन चुकी है। ऐसे समय में युवाओं को नई तकनीकों से जोड़ना, उन्हें विश्वस्तरीय अनुसंधान सुविधाएं उपलब्ध कराना और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में अनुसंधान और नवाचार की नई संस्कृति विकसित हो रही है।

भारत अब केवल आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने वाला देश नहीं, बल्कि नई तकनीकों और अनुसंधान आधारित समाधानों के विकास में अग्रणी भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। एनआईटी रायपुर में सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना इसी व्यापक राष्ट्रीय संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है।श्री रेड्डी ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, समृद्ध खनिज संपदा और प्रतिभाशाली युवाओं का प्रदेश है। यहां वैज्ञानिक अनुसंधान और अत्याधुनिक तकनीकों के विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ को आधुनिक तकनीक, अनुसंधान और नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।श्री रेड्डी ने विश्वास व्यक्त किया कि एनआईटी रायपुर के ये सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ के तकनीकी और औद्योगिक विकास को नई गति देंगे। यहां विकसित होने वाली तकनीकें और अनुसंधान आधारित समाधान न केवल प्रदेश, बल्कि देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

मंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर में किया विकसित भारत संकल्प पार्क का लोकार्पण

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-16 में विकसित भारत संकल्प पार्क का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा उपस्थित थे। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने पार्क परिसर में पीपल का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश भी दिया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को चिरस्थायी बनाने और भावी पीढ़ियों तक राष्ट्र निर्माण का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प पार्क का निर्माण किया गया है। यह पार्क विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की परिकल्पना का प्रतीक होने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश भी देगा। नवा रायपुर को हरित, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल आधुनिक शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। लगभग 16 एकड़ क्षेत्र में विकसित इस पार्क में अब तक 2,500 से अधिक पीपल और 500 से अधिक स्थानीय प्रजातियों के पौधे



विकसित भारत के संकल्प के साथ पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का संदेश देगा विकसित भारत संकल्प पार्क



लगाए गए हैं। यह पार्क नवा रायपुर को 'पीपल सिटी' के रूप में नई पहचान दिलाने के साथ ही शहर की हरियाली और पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, वन मंत्री श्री केदार कश्यप तथा कौशल विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

नवा रायपुर को हरित और पर्यावरण अनुकूल शहर के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य केवल पौधरोपण करना नहीं, बल्कि नागरिकों को पौधों के संरक्षण, संवर्धन और नियमित देखभाल से जोड़कर पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देना है।

इसी पहल के अंतर्गत विकसित भारत संकल्प पार्क को पर्यावरण संरक्षण, जनभागीदारी और सतत विकास के केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। भारतीय संस्कृति में पीपल के वृक्ष का विशेष आध्यात्मिक और पर्यावरणीय महत्व है। इस अभियान के माध्यम से पीपल के प्रति जनआस्था को प्रकृति संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता से जोड़ा जा रहा है।विकसित भारत संकल्प पार्क आधुनिक शहरी विकास और प्रकृति के बीच संतुलन का उदाहरण प्रस्तुत करेगा। यह पहल आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने के साथ ही विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

डीएमएफ घोटाले में 31 करोड़ की संपत्ति अटैच

17 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट पेश

रायपुर। ईडी ने छत्तीसगढ़ में डीएमएफ फंड घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की टीम ने 31.70 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। इसके साथ ही 17 लोगों के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत दायर की है। एजेंसी ने एक बयान में कहा है कि ईडी के रायपुर क्षेत्र कार्यालय ने 29 अक्टूबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) , 2002 के तहत अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया और 30 अक्टूबर को रायपुर की विशेष अदालत (पीएमएलए) में पूरक अभियोजन शिकायत दायर की।बयान के अनुसार, इस शिकायत में सतपाल सिंह छाबड़ा, मंटीप चावला और 15 अन्य लोगों के नाम शामिल हैं। यह कथित घोटाला राज्य में पिछली भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान हुआ था। एजेंसी ने बताया कि धन शोधन की जांच राज्य के भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो/राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (एसीबी/ईओडब्ल्यू), राय्पुर द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू की गई थी। इसके बाद,



छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा कांकेर जिले में दर्ज प्राथमिकी और एसीबी/ईओडब्ल्यू की प्राथमिकी को भी इस जांच में शामिल कर लिया गया। ईडी की जांच से पता चला है कि खनन से प्रभावित क्षेत्रों और समुदायों के कल्याण और विकास के लिए निर्धारित डीएमएफ फंड को कथित तौर पर सरकारी कर्मचारियों और एजेंटों या बिचौलियों के एक संगठित सिंडिकेट के हड़प लिया। एजेंसी का दावा है कि इस सिंडिकेट ने डीएमएफ फंड के आवंटन और इस्तेमाल में हेरफेर की। उन्होंने ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी, जिनमें खरीद की लागत को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया था और भारी मात्रा में अवैध कमीशन का भुगतान किया गया।

रायपुर में आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभ

अमित शाह ने किया उद्घाटन - सीएम साय सहित दिग्गज रहे मौजूद

रायपुर। मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर, पंडरी में आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल का भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ।

हॉस्पिटल का उद्घाटन भारत सरकार के माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के करकमलों द्वारा किया गया।

इस गरिमामयी अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी, रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी एवं रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह में आर्टेमिस हॉस्पिटल्स के चेयरमैन श्री ओंकार एस. कंवर जी, प्रबंध



निदेशक डॉ. देवेलिना चर वर्ती जी एवं आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. कमलेश अग्रवाल जी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के सहसंयोजक श्री नितिन गौरीशंकर अग्रवाल जी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, चिकित्सक, गणमान्य नागरिक एवं शहरवासी उपस्थित रहे।

अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक, विश्वस्तरीय सुविधाओं और विशेषज्ञ चिकित्सकों से सुसज्जित यह अस्पताल छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके शुरू होने से प्रदेशवासियों को बेहतर एवं उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं रायपुर में ही मिलेंगी और छत्तीसगढ़ को चिकित्सा के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी।



देवेंद्र नगर, पंडरी, रायपुर में नवनिर्मित आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल

पीडब्ल्यूडीः सचिव मुकेश बंसल ने अधिकारियों को दिए दो टूक निर्देश, हर प्रकरण की तय होगी समय-सीमा

लंबित कामों पर कसें लगाम, पुराने टेंडरों का होगा हिसाब

रायपुर। लोक निर्माण विभाग में लंबित निर्माण कार्यों, ठेकेदारों के बकाया भुगतान और पुराने टेंडरों के प्रकरणों को लेकर अब जवाबदेही तय होगी। विभागीय कार्यों में देरी और लंबित मामलों को समाप्त करने के लिए सचिव मुकेश बंसल ने अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबित प्रकरणों को अनावश्यक रूप से आगे बढ़ाने के बजाय उनका तार्किक निराकरण किया जाए और प्रत्येक कार्य की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का समन्वित आकलन किया जाए।

मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में सचिव ने विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति और लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विभागीय कार्यप्रणाली में मौजूद कमियों और कार्यों



के बीच के अंतर को कम किया जाए। महत्वपूर्ण एवं क्रिटिकल कार्यों को विशेष प्राथमिकता देते हुए स्पष्टता, तार्किक दृष्टिकोण और जवाबदेही के साथ निर्णय लिए जाएं।

सचिव ने 31 मार्च 2026 से पहले जारी टेंडरों से संबंधित कार्यों की स्थिति की विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश दिए। प्रत्येक प्रकरण की समीक्षा कर उसे तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने को कहा। ठेकेदारों के लंबित बिलों का परीक्षण कर पात्रतानुसार भुगतान प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने तथा जिन कार्यों की भौतिक प्रगति पूरी हो चुकी है, उनके वित्तीय भुगतान की स्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भुगतान लंबित रहना भी गंभीरता से देखा जाना चाहिए।

मरम्मत की गुणवत्ता से समझौता नहीं

बैठक में मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता और सरकारी राशि के समुचित उपयोग को लेकर भी सख्त निर्देश दिए गए। सप्लीमेंट्री और रिवाइज्ड कार्यों का औचित्य के आधार पर परीक्षण करने तथा बिना पर्याप्त कारण अतिरिक्त कार्यों को स्वीकृति नहीं देने पर जोर दिया गया। प्रत्येक कार्य की समय-सीमा तय करने और अधिकारियों को स्वयं फील्ड स्तर पर प्रगति की निगरानी करने के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों का भी प्राथमिकता से निराकरण करने को कहा गया। विभागीय कार्यों में गति और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सचिव ने टीमवर्क और स्वामित्व की भावना से काम करने की जरूरत बताई। फील्ड अधिकारियों को आवश्यक सहयोग देने के साथ सब इंजीनियरों के लिए कम से कम एक सप्ताह का प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय, सकारात्मक दृष्टिकोण और समयबद्ध निर्णयों से ही लंबित प्रकरणों का बोझ कम होगा। अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि हर मामले में जिम्मेदारी तय हो और उसे समाप्त करने की इच्छाशक्ति के साथ काम किया जाए।

छत्तीसगढ़ की हरित ऊर्जा एवं निवेश संभावनाओं पर पुस्तक विमोचित



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो-2026 के दौरान छत्तीसगढ़ के प्रदर्शनी स्टॉल पर राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा नीति, निवेश संभावनाओं और हरित ऊर्जा विकास पर केंद्रित पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक में छत्तीसगढ़ की रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के अवसरों, ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की योजनाओं तथा राज्य में स्वच्छ एवं सतत ऊर्जा विकास की संभावनाओं को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ऊर्जा क्षेत्र में निवेश और नवाचार के नए अवसरों के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार का लक्ष्य हरित ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ को स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है। यह पुस्तक निवेशकों और ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को छत्तीसगढ़ की नीतियों, उपलब्ध संसाधनों तथा भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर क्रेडा के अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं की किसानों से अपील - "ग्रीष्मकालीन धान छोड़े, भूजल बचाएं"

बेमेतरा । जिले में जल संरक्षण को लेकर प्रशासन ने बड़ा अभियान शुरू किया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिले के सभी किसान भाइयों से अपील की है कि आगामी ग्रीष्मकालीन सीजन में धान की खेती न करें।



कलेक्टर ने अपील करते हुए कहा कि बेमेतरा जिला जल संकट की दृष्टि से वाटर क्रिटिकल जिला के रूप में चिन्हित है। भूजल स्तर लगातार गिर रहा था, जिसे लेकर पिछले वर्ष प्रशासन और किसानों ने मिलकर एक अनूठा प्रयोग किया था। किसानों ने स्वेच्छा से ग्रीष्मकालीन धान न लगाने का संकल्प लिया था और उसके स्थान पर कम पानी वाली फसलें जैसे चना, गेहूं और सरसों की खेती की थी।

इस सामूहिक प्रयास का असर जमीन पर दिखा है। कलेक्टर ने बताया कि इस पहल के कारण जिले के तीनों विकासखंड - बेमेतरा, बेरला और साजा वाटर क्रिटिकल श्रेणी से निकलकर सेमी-क्रिटिकल श्रेणी में आ गए हैं। यह जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है।

इसी सफलता को आगे बढ़ाने के लिए इस वर्ष भी जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इन ग्राम सभाओं में किसानों को जल संरक्षण का महत्व समझाया जा रहा है और उनसे ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों को अपनाने का संकल्प लिया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा, "धान में सबसे ज्यादा पानी लगता है। अगर हम गर्मी में भी धान लगाएंगे तो हमारा भूजल स्तर फिर से नीचे चला जाएगा। चना, गेहूं, सरसों जैसी फसलें कम पानी में अच्छी पैदावार देती हैं और जमीन की उर्वरा शक्ति भी बनाए रखती हैं।" कलेक्टर ने सभी किसानों से सहयोग की अपील करते हुए कहा - "पानी बचाएं, भविष्य सुरक्षित बनाएं।" प्रशासन ने किसानों को वैकल्पिक फसलों के लिए बीज, तकनीकी सलाह और शासन की योजनाओं का लाभ देने का भी आश्वासन दिया है।

कुंजल साहू और हिमांशु मनहरे ने जीता स्वर्ण पदक



भाटापारा। खेल के क्षेत्र में खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गत दिनों चरोदा, भिलाई में आयोजित द्वितीय भिलाई ओपन स्टेट चैंपियनशिप-2026 में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक सहित कुल सात पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता के अंडर-14 वर्ग में 13 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इनमें खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया प्रतियोगिता में कुंजल साहू और हिमांशु मनहरे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं मयंक सिंह बंजारे ने रजत पदक जीतकर क्षेत्र को गौरवान्वित किया। इसके अलावा नव्या बेजोरा, धावी बेजोरा, प्रणीत चतुर्वेदी और नव्या देवांगन ने कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र की पदक तालिका में इजाफा किया। इस उपलब्धि के पीछे जिला खेल अधिकारी प्रीति बंछोर के मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षक डी. रमेश और किरन साहू के विशेष प्रशिक्षण एवं मेहनत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

छत्तीसगढ़ में संपत्ति रजिस्ट्री पर राहत,अब 500 रुपये में पंजीयन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में संपत्ति से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों का पंजीयन अब पहले के मुकाबले काफी सस्ता हो गया है। राज्य सरकार द्वारा वसीयत, पारिवारिक बंटवारा, हक त्याग और गिफ्ट डीड जैसे पांच दस्तावेजों के पंजीयन शुल्क में की गई कटौती का असर सामने आने लगा है। इन दस्तावेजों पर पहले लगने वाले 0.8 प्रतिशत पंजीयन शुल्क को घटाकर महज 500 रुपये निर्धारित किया गया है। इससे लोगों को बड़ी आर्थिक राहत मिल रही है और प्रदेश में ऐसे दस्तावेजों के पंजीयन की संख्या भी बढ़ी है। उपलब्ध विभागीय आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2025 से 12 अक्टूबर 2026 तक प्रदेश में इन श्रेणियों के कुल 37,842 दस्तावेजों का पंजीयन किया गया। इस अवधि में सरकार को करीब 43.70 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। पंजीयन शुल्क में कटौती से विशेष रूप से परिवार के सदस्यों के बीच संपत्ति हस्तांतरण, बंटवारा और अधिकार त्याग से जुड़े दस्तावेजों के पंजीयन में लोगों की रुचि बढ़ने की बात सामने आई है। नई व्यवस्था के तहत पात्र दस्तावेजों के पंजीयन में बड़ी बचत हो सकती है। उदाहरण के लिए, एक करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति पर पहले 0.8 प्रतिशत की दर से 80 हजार रुपये पंजीयन शुल्क देना पड़ता था। अब उसी श्रेणी के पात्र दस्तावेज के लिए 500 रुपये पंजीयन शुल्क निर्धारित होने से 79,500 रुपये तक की बचत हो सकती है। हालांकि, यह राहत सभी प्रकार की संपत्ति रजिस्ट्रियों पर लागू नहीं है। यह व्यवस्था निर्धारित श्रेणी के पात्र दस्तावेजों के पंजीयन शुल्क से संबंधित है।

पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन 7 नवम्बर, शनिवार को बेमेतरा जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में

गर्भवती महिलाओं में उच्च जोखिम वाले लक्षणों की पहचान कर दी जाएगी विशेष सुविधा

बेमेतरा / स्वास्थ्य विभाग बेमेतरा द्वारा कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देश पर, सीएमएचओ डॉ. शरद कोहाड़े एवं सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू के मार्गदर्शन में गर्भवती माताओं की प्रसव पूर्व जांच हेतु प्रतिमाह की 09 एवं 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन जिले के समस्त शासकीय संस्थाओं में किया जाता है।



माह नवम्बर की 9 तारीख को शासकीय अवकाश होने के कारण, शासन से प्राप्त दिशा-निर्देश अनुसार 7 नवम्बर, दिन शनिवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA) का आयोजन बेमेतरा जिले के जिला चिकित्सालय, समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं चिन्हांकित उप स्वास्थ्य केंद्रों में आयोजित किया जाएगा।

यह अभियान भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसका मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं में उच्च जोखिम वाले लक्षणों की पहचान कर विशेषज्ञ तथा प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण संपूर्ण प्रबंधन सुनिश्चित करना है। जिससे उच्च जोखिम श्रेणी में आने वाली गर्भवती महिलाओं का समुचित प्रबंधन एवं सुनियोजित संदर्भन सुनिश्चित कर राज्य में मातृ मृत्यु अनुपात को कम किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस के सफल क्रियान्वयन हेतु राज्य स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से समस्त जिलों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

PMSMA दिवस के सुनियोजित आयोजन हेतु निम्न बिंदुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए सतत निरीक्षण व्यवस्था की गई है -

1. शत-प्रतिशत उच्च जोखिम गर्भवती (HRP) महिलाओं की त्वरित पहचान, सोनोग्राफी सुविधाएं।
2. PMSMA फ्लो चार्ट अनुसार हितग्राही को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी।
3. विशेषज्ञ (OBG) / निजी चिकित्सकों की सक्रिय भागीदारी।
4. गर्भवती महिलाओं को पोषण, संस्थागत प्रसव तथा खतरे के लक्षणों पर परामर्श।

सीएमएचओ डॉ. शरद कोहाड़े एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. लोकेश साहू ने हितग्राहियों से अपील करते हुए कहा है कि जिला अस्पताल बेमेतरा के साथ समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में निर्धारित तिथि 7 नवम्बर, दिन शनिवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA) का आयोजन किया जाएगा। हितग्राही उक्त अवसर पर पास के स्वास्थ्य केंद्र में इस अभियान में शामिल होकर स्वास्थ्य जांच परीक्षण अवश्य करवा लें और इस अभियान का लाभ अनिवार्य रूप से उठाकर अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

शिवम पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस

पारंपरिक छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे बच्चे, छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर किया नमन

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खमरिया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर शिवम पब्लिक स्कूल, थान खमरिया में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चे आकर्षक पारंपरिक छत्तीसगढ़ी वेशभूषा धारण कर विद्यालय पहुंचे। बच्चों के पारंपरिक परिधानों से पूरा विद्यालय परिसर छत्तीसगढ़ी संस्कृति और लोकपरंपराओं के रंग में रंगा नजर आया।



कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना एवं वंदना के साथ किया गया। इस दौरान बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोकपरंपराओं और गौरवशाली पहचान को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में अपनी माटी, संस्कृति और प्रदेश के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना जागृत करने का संदेश दिया गया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना ही नहीं, बल्कि बच्चों को अपनी संस्कृति, परंपराओं और मातृभूमि के महत्व से परिचित कराना भी है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति लगाव और सामाजिक मूल्यों का विकास होता है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने छत्तीसगढ़ महतारी को नमन करते हुए प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



छात्र छात्राओं को सायबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया

भाटापारा। स्थानीय निजी क्षेत्र के स्कूल मयूर शिशु मंदिर में विधिक साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सुरक्षित बचपन विषय पर छात्र - छात्राओं को कानूनी अधिकारों बाल सुरक्षा एवं सायबर अपराध से बचाव की जानकारी विस्तार से दी गई। उपरोक्त अवसर पर न्यायायिक मजिस्ट्रेट अंकिता गुप्ता ने पॉक्सो एक्ट , गुड टच , बैड टच के अलावा बच्चों के अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी। रितेश राय ने उक्त अवसर पर सायबर अपराधों सोशल मिडिया के सुरक्षित उपयोग तथा ऑनलाईन ठगी एवं मोबाईल के दुरूपयोग से बचने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। अधिवक्ता अंजू साहू ने बालक्षम के दृष्परिणामों तथा कानूनी प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विभिन्न बिंदुओं की जानकारी दी।

'विष्णु के पाती' में मुख्यमंत्री ने की यशोदा मरकाम के आत्मनिर्भरता के प्रयासों की सराहना

बेटी काव्या के नाम पर संचालित कपड़ों की दुकान बनी परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार

बेमेतरा / मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा राज्य स्थापना दिवस एवं दीपावली पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को भेजे जा रहे आत्मीय संदेश 'विष्णु के पाती' के माध्यम से ग्राम देवरबीजा की यशोदा मरकाम को उनके स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता के प्रयासों के लिए विशेष प्रोत्साहन मिला है। मुख्यमंत्री के पत्र में उनकी बेटी काव्या के नाम पर संचालित कपड़ों एवं मैचिंग की दुकान का उल्लेख किए जाने से यशोदा मरकाम बेहद खुश हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके छोटे से प्रयास को प्रदेश के मुखिया द्वारा पहचान और सराहना मिलना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है।



यशोदा मरकाम लखपति दीदी योजना से जुड़कर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उनके परिवार द्वारा बेटी काव्या के नाम पर कपड़ों एवं मैचिंग की दुकान संचालित की जा रही है। इस दुकान के माध्यम से परिवार को आर्थिक मजबूती मिल रही है। सीमित संसाधनों के बीच स्वरोजगार को अपनाकर उन्होंने आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाया है। उनका यह प्रयास ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर मेहनत और लगन से आर्थिक रूप से सशक्त बना जा सकता है।

यशोदा मरकाम ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आज हमर छत्तीसगढ़ के मुखिया, हमर मुख्यमंत्री विष्णु भैया के ओर ले 'विष्णु के पाती' मोला प्राप्त होइस। ए पाती ला पढ़के मोर मन खुशी ले भर गे। मोर बेटी काव्या के नाम पर संचालित कपड़ा अउ मैचिंग के दुकान के बारे म मुख्यमंत्री जी के पत्र म उल्लेख अउ सराहना पढ़के बहुत अच्छा लागिस। हमन अपन मेहनत से स्वरोजगार के माध्यम ले परिवार ला आगे बढ़ाय के प्रयास करत हन। हमर ए छोटे से प्रयास ला मुख्यमंत्री जी द्वारा पहिचान मिलना मोर बर बहुत बड़े सम्मान अउ गर्व के बात हे।

उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री जी का यह स्नेहिल पत्र उनके लिए केवल शुभकामना संदेश नहीं, बल्कि आगे और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा है। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अपने व्यवसाय को और आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित हुई हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की योजनाएं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के अवसर प्रदान कर रही हैं।

अंत में यशोदा मरकाम ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं दीपावली पर्व की गाड़ा-गाड़ा बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

नशे की लत के चलते नगर में बढ़ रही चोरी की वारदातें, रात में सक्रिय हैं चोर

घरों, दुकानों, वाहनों और खेतों को बना रहे निशाना, रात्रिकालीन पुलिस गश्त बढ़ाने की उठी मांग

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खमरिया। नगर में नशे की लत को पूरा करने के लिए चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले असामाजिक तत्वों की सरि यता बढ़ती जा रही है। नशे के आदी कुछ लोग अपनी दैनिक जरूरतों के लिए पैसों का इंतजाम करने के उद्देश्य से घरों, दुकानों, वाहनों और सार्वजनिक संपत्तियों को निशाना बना रहे हैं। इससे नगरवासियों में असुरक्षा का माहौल बनता जा रहा है।



पिछले एक माह से नगर में चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। चोर रात के अंधेरे का फायदा उठाकर दुकानों और अन्य स्थानों से सामान पार कर रहे हैं। बिगत दिनों नगर के गोल बाजार स्थित बर्सात सोनी की दुकान के सामने रखे वाटर कूलर का कॉपर्स और पंखा अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया। वहीं पेट्रोल पंप के पास खड़े ट्रैक्टर से डीजल निकालने की घटना भी सामने आई है।

इसके अलावा खेतों में लगे बिजली के केबल, तार और मोटर पंप भी चोरों के निशाने पर हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं से किसान और व्यापारी वर्ग परेशान हैं। चोरी की वारदातों के चलते लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। नगरवासियों का कहना है कि चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पाने से चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। नगरवासियों ने पुलिस प्रशासन से रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा चोरी की घटनाओं में शामिल लोगों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

लोगों का कहना है कि काफी समय से रात में नियमित पुलिस गश्त नहीं हो पा रही है। ऐसे में नगर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए पुलिस को रात्रि गश्त नियमित रूप से शुरू करनी चाहिए, ताकि चोरी की घटनाओं पर रोक लग सके।

पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देश पर बेमेतरा पुलिस की अवैध गतिविधियों पर लगातार कार्यवाही जारी

थाना साजा क्षेत्र के दो स्थानों पर साजा पुलिस टीम की रेड 12 जुआड़ियों से नगदी रकम 8,130/- रूपये एवं 52 पत्ती तास जप्त।

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक श्री त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव, एसडीओपी बेमेतरा श्री भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला श्रीमती रूचि वर्मा के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थों, जुआ, सट्टा सहित अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 04 नवंबर 2026 को थाना साजा पुलिस टीम द्वारा जरिए मुखबिर सुचना पर आजाद चौक के पास ग्राम लालपुर एवं डबरी तालाब के पास ग्राम भरतपुर में रेड कार्यवाही कर 12 जुआड़ी के कब्जे से नगदी रकम 8,130/- रूपये एवं 52 पत्ती तास जप्त किया गया। जुआड़ियों के विरूद्ध धारा 3(2),छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 के तहत कार्यावाही की गई हैं।



04 नवंबर 2026 को थाना साजा पुलिस टीम को जरिये मुखबीर से सूचना मिली कि आजाद चौक के पास ग्राम लालपुर एवं डबरी तालाब के पास ग्राम भरतपुर आम जगह पर कुछ लोग ताश पत्ती से रूपये पैसे का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं कि सुचना पर थाना साजा पुलिस टीम के द्वारा सुचना के अधार पर रेड कार्यवाही किया गया, रेड कार्यवाही के दौरान कुछ लोग पुलिस को आते देखकर भाग निकले मौके पर 12 जुआड़ी पकड़े गए।

जिसमें थाना साजा में 02 प्रकरण दर्ज कर 12 जुआडियानो 01. भूपेन्द्र यादव पिता दशरथ यादव उम्र 41 वर्ष, 02. लक्ष्मीनारायण वर्मा पिता रोहित वर्मा उम्र 25 वर्ष, 03. प्रीतकुमार साहू पिता खेदूराम साहू उम्र 34 वर्ष, 04. श्रवण साहू पिता दुखुराम साहू उम्र 39 वर्ष, 05. खुलेश्वर यादव पिता बलराम यादव उम्र 26 वर्ष, 06. सुनील पटेल पिता चित्रेन पटेल उम्र 34 वर्ष सभी साकिनान लालपुर थाना साजा जिला बेमेतरा एवं 07. कमल किशोर पिता गणेश यादव उम्र 25 वर्ष, 08. हसन खान पिता सरीफ खान उम्र 26 वर्ष, 09. भीम ऊर्फ मनीष साहू पिता पुरन साहू उम्र 21 वर्ष, 10. गजानंद यादव पिता महेश यादव उम्र 24 वर्ष, 11. शेखर यादव पिता महेश यादव उम्र 26 वर्ष, 12. अशोक ठाकुर पिता मंगलू ठाकुर उम्र 24 वर्ष सभी निवासी साजा थाना साजा जिला बेमेतरा के कब्जे से नगदी रकम 8,130/- रूपये एवं 52 पत्ती तास जस किया गया। जुआडियों के विरूद्ध धारा 3(2),छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 के तहत कार्यावाही की गई हैं।

इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी साजा निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, प्रधान आरक्षक उमाशंकर ठाकुर, मोतीलाल जायसवाल, रामानुज जायसवाल, अर्जुन धुर्वे, राजू यादव, बिरेंद्र चंद्रवंशी सहित थाना साजा के अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण योगदान रहा।



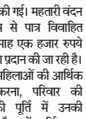
मन की शांति में ही जीवन की सच्ची समृद्धि



ह मारी त्योहार संस्कृति भी तनाव के विरुद्ध एक सुंदर सामाजिक एवं सांस्कृतिक औषधि है। दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का संकल्प देती है। होली मन के पुराने विकारों और कटु स्मृतियों को रंगों में बहाकर संबंधों में नई आत्मीयता भरने का अवसर देती है। रक्षाबंधन रिश्तों की सुरक्षा और विश्वास का उत्सव है। जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मनुष्य ने संसार की सुविधाओं से भर दिया, लेकिन स्वयं के भीतर सुकून के लिए जगह कम कर ली। आज हमारे पास समय बचाने के असंख्य साधन हैं, पर समय का अभाव है, संवाद के अनगिनत माध्यम हैं, पर आत्मीयता का अकाल है, भौतिक समृद्धि के नए प्रतिमान हैं, लेकिन मानसिक शांति निरंतर दूर होती जा रही है। आधुनिक मनुष्य की इस विरोधाभासी स्थिति का सबसे बड़ा नाम है-तनाव। तनाव अब केवल मन की बेचैनी नहीं, बल्कि हमारे समय की एक गंभीर सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक और वैश्विक चुनौती बन चुका है। इसी चुनौती के प्रति चेतना जगाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय तनाव जागरूकता दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 में इसकी थीम है- "तनाव-मुक्ति और कल्याण के भविष्य को आकार देना तथा कार्यस्थल को फिर से मानवीय बनाना।" यह विषय हमें याद दिलाता है कि कार्यस्थल केवल उत्पादन और उपलब्धियों का केंद्र नहीं, बल्कि मनुष्य की संवेदनाओं, गरिमा और मानसिक स्वास्थ्य का भी स्थान होना चाहिए। आज का मनुष्य सुबह आंख खुलने से लेकर रात आंख बंद होने तक एक अदृश्य दौड़ में शामिल है। नौकरी की असुरक्षा, व्यवसाय की प्रतिस्पर्धा, आर्थिक अपेक्षाएं, पारिवारिक जिम्मेदारियां, बच्चों की शिक्षा, युवाओं के भविष्य की चिंता, बुजुर्गों का अकेलापन और सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव उसके मन को लगातार मथता रहता है। शिक्षा के क्षेत्र में अंक और प्रतियोगिता बच्चों के बचपन पर भारी पड़ रहे हैं। कार्यस्थलों पर लक्ष्य, समय-सीमा और प्रदर्शन का दबाव व्यक्ति को मशीन में बदलने लगा है। परिवारों में संवाद की जगह मोबाइल ने और आत्मीयता की जगह औपचारिकताओं ने ले ली है।

इस व्यक्तिगत तनाव के ऊपर वैश्विक परिस्थितियों का बोझ भी कम नहीं है। युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं की खबरें मनुष्य के भीतर भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित करती हैं। दुनिया के किसी कोने में होने वाला संघर्ष अब केवल उस क्षेत्र की समस्या नहीं रहता, बल्कि संचार माध्यमों के कारण पूरी मानवता की सामूहिक चिंता बन जाता है। इस प्रकार तनाव की सीमाएं घर की चारदीवारी से निकलकर राष्ट्रों और महाद्वीपों तक फैल गई हैं। तनाव को यदि समय रहते समझा और नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह शरीर और मन दोनों की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। लगातार तनाव से नींद में गड़बड़ी, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी समस्याएं, पाचन संबंधी परेशानियां, चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाग्रता में कमी जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। तनाव मनुष्य की निर्णय क्षमता को कमजोर करता है और उसके संबंधों में कटुता घोल देता है। कहावत है-'चिंता चिता समान है।' यह केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन का गहरा मनोवैज्ञानिक सत्य है। चिंता भविष्य की अनिश्चितताओं को वर्तमान की खुशियों पर हावी कर देती है। इसलिए तनाव से मुक्ति का पहला कदम है-अपनी परिस्थितियों को स्वीकार करना, समस्याओं को पहचानना और उनके समाधान की दिशा में विवेकपूर्ण प्रयास करना। इस संदर्भ में जैन धर्म के महान आध्यात्मिक आचार्य आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा विकसित एवं व्यवस्थित की गई प्रेक्षाध्यान पद्धति तनावमुक्त जीवन का एक अत्यंत प्रभावशाली मार्ग प्रस्तुत करती है। प्रेक्षाध्यान का मूल भाव है-देखना, जागरूक होकर देखना और अपने भीतर घटित होने वाली प्रक्रियाओं को निष्पक्ष भाव से समझना। यह केवल आंखें बंद करके बैठने की क्रिया नहीं, बल्कि स्वयं से साक्षात्कार करने की वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक साधना है। आचार्य महाप्रज्ञ ने ध्यान, श्वास-प्रेक्षा, शरीर-प्रेक्षा, चैतन्य-केंद्र प्रेक्षा और अनुप्रेक्षा जैसे प्रयोगों के माध्यम से मनुष्य को अपने मन, शरीर और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा दी।

प्रेक्षाध्यान का एक महत्वपूर्ण पक्ष है-भावनात्मक संतुलन। क्रोध, भय, ईर्ष्या, आवेश और निराशा जैसी वृत्तियों को पहचानकर उनके परिष्कार का प्रयास करना तनाव प्रबंधन की दिशा में सार्थक कदम है। प्रतिदिन 15 से 20 मिनट का नियमित ध्यान, श्वास पर एकाग्रता और आत्मनिरीक्षण व्यक्ति के जीवन में धैर्य, सहनशीलता तथा मानसिक स्थिरता विकसित कर सकते हैं। इस साधना का संदेश है कि परिस्थितियों को हमेशा बदलना संभव नहीं, लेकिन परिस्थितियों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया बदलना हमारे हाथ में है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा भी तनावमुक्त जीवन का अनमोल दर्शन प्रस्तुत करती है। उपनिषदों का आत्मबोध, गीता का निष्काम कर्मयोग, भगवान महावीर का समता दर्शन, भगवान बुद्ध का मध्यम मार्ग और पतंजलि का अष्टांग योग मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाने की प्रेरणा देते हैं। गीता का संदेश है-कर्म करो, फल की चिंता में स्वयं को मत उलझाओ। इसका अर्थ कर्म से पलायन नहीं, बल्कि परिणाम के अनावश्यक भय से मुक्त होकर पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। योग, प्राणायाम, ध्यान, मौन, स्वाध्याय और नियमित दिनचर्या मनुष्य को मानसिक संतुलन प्रदान करने के प्रभावी माध्यम हैं।



अतिथि संपादक - ललित गर्ग

'राष्ट्रधर्म' पत्रिका के जल-विशेषांक में परंपरा, नीति और जमीनी प्रयोगों का संगम

विचार और व्यवहार में पानी की बात



भा रतीय विचार परंपरा में प्रकृति और मनुष्य के संबंध को कभी एक-दूसरे के विरोध में नहीं देखा गया। भारत ने पुरखों ने जल को केवल उपभोग्य वस्तु या प्राकृतिक संसाधन नहीं माना, बल्कि उसे जीवन, लोकमंगल और देवत्व के रूप में प्रतिष्ठा दी। आज जब गिरते भूजल स्तर, सूखती नदियों और अनियंत्रित दोहन के कारण जल-संकट पूरी मानवता के भविष्य पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहा है, तब लखनऊ से प्रकाशित प्रतिष्ठित मासिक पत्रिका 'राष्ट्रधर्म' का यह विशेषांक 'जल है तो कल है' प्रत्येक संवेदनशील पाठक के लिए एक अनिवार्य और संग्रहणीय दस्तावेज बनकर सामने आया है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के वैचारिक संस्कारों से सिंचित 'राष्ट्रधर्म' अपने 80वें वर्ष की यात्रा में अग्रसर है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरसंघचालक श्रद्धेय के. एस. सुदर्शन जी की स्मृति को समर्पित नवंबर-2026 का यह विशेषांक केवल समस्याओं का रोना नहीं रोता, बल्कि समाधान की सनातन और व्यावहारिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। पत्रिका से सम्मानित प्रसिद्ध जल योद्धा उमाशंकर पाण्डेय के कुशल अतिथि सम्पादन में तैयार यह अंक नीति, शास्त्र, इतिहास और आधुनिक जमीनी प्रयोगों का अद्भुत संगम है।

सम्पादकीय टिप्पणी में उमाशंकर पाण्डेय जी ने स्मरण कराया है कि मनुष्य का अस्तित्व गर्भाशय के जल से लेकर अंत्येष्टि के गंगाजल तक जल की दो बूंदों के मध्य सिमटा हुआ है। वे लिखते हैं- "चिता की राख जब पानी में मिले, उससे पहले जीवन जीते जी पानी का कर्ज चुकाना ही सच्चा राष्ट्रधर्म है"। यह विशेषांक इसी कर्ज को चुकाने का एक सशक्त आह्वान है।

इस अंक में सच्चिदानन्द मिश्र अपने आलेख 'जल देवता-पूजन परम्पराओं का अध्ययन' में मीमांसा दर्शन का उल्लेख करते हुए स्पष्ट करते हैं कि देवता वह है जिसके प्रति मनुष्य का कर्तव्य और त्याग का भाव हो। जल को पूजने का अर्थ ही यह है कि उसका मनमाना शोषण नहीं किया जा सकता। वहीं सुप्तसिद्ध साहित्यकार इन्दुशेखर तत्पुरुष 'संस्कृत साहित्य में जल-जीवन सौंदर्य' के अंतर्गत वेदों से लेकर महाकवि कालिदास और भर्तृहरि तक के जल-विमर्श को सामने लाते हैं। वे रहीम खानखाना के 'गंगाष्टकम्' का सुंदर उदाहरण देकर यह सिद्ध करते हैं कि नदियों के प्रति आदर इस देश की साझी और सर्वसमावेशी चेतना का अभिन्न अंग रहा है।

इस विशेषांक में एक आलेख मेरा भी है- 'छत्रपति शिवाजी महाराज से सीखें जल-प्रबंधन'। मैंने छत्रपति शिवाजी महाराज की शासन व्यवस्था के उस पहलू की चर्चा की है, जो हमें जल प्रबंधन की सीख देता है। सह्याद्रि के गिरिदुर्गों से लेकर सिंधुदुर्ग जैसे जलदुर्गों की जल संरचनाओं की चर्चा इस आलेख में है। शिवाजी महाराज दुर्ग निर्माण से पहले वहाँ जल स्रोतों, कुओं, बावड़ियों और वर्षाजल संचयन (टैंकों) की व्यवस्था सुनिश्चित करते थे; उनका स्पष्ट मत था कि जल के प्राकृतिक भंडार पर ही राज्य की सुरक्षा और स्वावलंबन टिका है। भारत का रक्षा और शासन कौशल प्रकृति के तालमेल के बिना अधूरा था, और महाराज का जल-दर्शन आज के आधुनिक नगर-नियोजकों एवं नीति-निर्माताओं के लिए भी उतना ही प्रासंगिक व अनुकरणीय है।

यह विशेषांक केवल अतीत की गौरवगाथा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समकालीन संकटों पर तथ्यात्मक और खरी बात करता है। रामाशीष अपने आलेख 'अविरल और निर्मल गंगा' में गंगा बेसिन के विस्तार और उस पर मँडराते खतरों का बारीक विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं। वे 1916 के महामना मदन मोहन मालवीय के ऐतिहासिक 'गंगा-रक्षा समझौते' की याद दिलाते हुए न्यूनतम पर्यावरणीय प्रवाह और अनुपचारित सीवेज के शून्य निर्वहन पर बल देते हैं। इसी क्रम में श्याम सुन्दर पाठक उत्तर प्रदेश की नदियों की व्यथा को उजागर करते हुए बताते हैं कि कैसे अनियोजित विकास ने हिंडन, गोमती, काली और कुकरैल जैसी जीवनदायिनी धाराओं को गंदे नालों में तब्दील कर दिया है। विश्वनाथ खेमका और अनुराग पाण्डेय गोमती बेसिन के 26 प्रमुख वेटलैंड्स को प्राकृतिक जल-बैंक के रूप में पुनर्जीवित करने का ठोस वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखते हैं। राष्ट्रधर्म के इस विशेषांक की सर्वाधिक प्रासंगिक और पठनीय विशेषता है- सरकारी नीतियों का निष्पक्ष एवं संतुलित मूल्यांकन। डॉ. अंकुरा त्रिपाठी ने उत्तर प्रदेश में सिंचाई क्षमता के विस्तार, नलकूपों के जीर्णोद्धार और बुंदेलखंड की जल योजनाओं का ब्योरा देते हुए यह रेखांकित किया है कि विकास केवल नए प्रोजेक्ट खड़े करने में नहीं, पुरानी जल संरचनाओं को जीवित रखने में भी है। वहीं डॉ. अनुप चतुर्वेदी अपने समीक्षात्मक आलेख 'केवल कनेक्शन देना पर्याप्त नहीं' में जल जीवन मिशन, अमृत 2.0, और नमामि गंगे जैसी बड़ी योजनाओं की जमीनी हकीकत का मूल्यांकन करते हैं। वे आंकड़ों के साथ आगाह करते हैं कि यदि नलों तक पानी पहुँचाने के साथ-साथ गिरते भूजल को रिचार्ज नहीं किया गया और लीकेज नहीं रोके गए, तो योजना का मूल उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

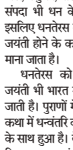
इस अंक का सबसे ओजस्वी और आशा जगाने वाला हिस्सा वे जमीनी अनुभव हैं, जिन्हें वास्तविक जल योद्धाओं ने स्वयं अपनी लेखनी से प्रस्तुत किया है। पद्मश्री लक्ष्मण सिंह लापोडिया ने राजस्थान के लापोडिया गाँव में ग्रामीणों के साथ मिलकर 'फूलसागर', 'देवसागर' और 'अनसागर' जैसे तालाबों के निर्माण और प्रकृति के साथ सहअस्तित्व का प्रेरक संस्मरण साझा किया है। पद्मश्री महेश शर्मा झाबुआ के भील समाज की सामूहिक परंपरा 'हलमा' का समाज-वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत करते हैं, जहाँ कंटूर ट्रेंच को 'शिव-जटाएँ' मानकर वनांचल की बूँद-बूँद को सहेजा गया। पद्मश्री डॉ. पोपटराव पवार ने महाराष्ट्र के हिवरे बाजार गाँव की 35 वर्षों की साधना बताई है कि कैसे सख्त सामाजिक अनुशासन, चराई बंदी, बोरवेल नियंत्रण और 'जल बजट' के दम पर एक अकाल-पीड़ित गाँव देश का सबसे समृद्ध और आत्मनिर्भर गाँव बन गया। इसके साथ ही एम. पी. सिन्हा द्वारा बिहार की प्राचीन 'आहर-पईन' प्रणाली और जलसखियों के योगदान की चर्चा पारंपरिक ज्ञान के वैज्ञानिक पक्ष को उजागर करती है। इसके साथ ही लेखों के बीच-बीच में डॉ. देशबन्धु 'शाहजहाँपुरी' की भावपूर्ण कविताएँ और जन-साधारण के लिए पानी बचाने के छोटे-छोटे दैनिक नियम विशेषांक को आम पाठक के और भी निकट लाते हैं।

'राष्ट्रधर्म' का यह जल-विशेषांक केवल आलमारी में सजाकर रखने वाली पत्रिका नहीं, बल्कि नीति-निर्माताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शोधार्थियों और आम नागरिकों के लिए हाथ में लेकर काम करने वाली मार्गदर्शिका है। यदि देश की भावी पीढ़ी को जमीनी जल-संस्कृति को सहेजते हुए कल को सुरक्षित करना है, तो यह अंक न केवल पढ़ा जाना चाहिए अपितु इस पर सामाजिक विमर्श भी होना चाहिए।



डॉ. लोकेन्द्र सिंह
(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।)

धन और धन्वंतरि : हिंदू संस्कृति में धन एवं आरोग्य समृद्धि का पर्व धनतेरस



आचार्य ललित मुनि
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं लोक संस्कृति के अध्येता हैं

का र्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनत्रयोदशी अथवा धनतेरस कहा जाता है। इस दिन लोग सोने चांदी के जेवरों के साथ गृहस्थ की आवश्यक वस्तुएं खरीदना शुभ मानते हैं। हिन्दू संस्कृति में धन का अर्थ केवल मुद्रा, सोना, चांदी अथवा संपत्ति कभी नहीं रहा, स्वस्थ शरीर, दीर्घायु, अन्न, जल, पशुधन, परिवार, ज्ञान और प्रकृति की संपदा भी धन के ही रूप माने गए हैं। इसलिए धनतेरस को भगवान धन्वंतरी की जयंती होने के कारण आरोग्य का पर्व भी माना जाता है।

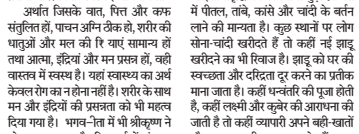
धनतेरस को भगवान धन्वंतरि की जयंती भी भारत में सभी स्थानों पर मनाई जाती है। पुराणों में वर्णित समुद्र मंथन की कथा में धन्वंतरि का प्राकट्य अमृत कलश के साथ हुआ है। देवताओं और असुरों द्वारा किए गए समुद्र मंथन से अनेक रत्न निकले। उन्हीं में भगवान धन्वंतरि भी प्रकट हुए, जिनके हाथों में अमृत से भरा कलश था। श्रीमद्भागवत महापुराण के आठवें स्कंध में इस प्रसंग का वर्णन मिलता है।

धन्वंतरि के हाथों में अमृत कलश की कल्पना अपने आप में अर्थपूर्ण है। अमृत का संबंध जीवन से है और जीवन का सबसे बड़ा आधार आरोग्य है। धन-संपत्ति होने पर भी यदि शरीर रोगों से घिरा हो, मन अशांत हो और जीवन में सुख का अनुभव न हो तो उस संपदा का अर्थ अधूरा रह जाता है। धन्वंतरि की आराधना इस बात की याद दिलाती है कि समृद्धि की शुरुआत स्वस्थ जीवन से होती है। कालिदास ने कुमारसंभव में शरीर के महत्व को एक छोटे से श्लोक में अत्यंत सुंदर ढंग से व्यक्त किया है।

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्

अर्थात शरीर ही धर्म और जीवन के सभी कर्तव्यों को पूरा करने का पहला साधन है। शरीर रहेगा तभी मनुष्य अपने कर्तव्यों का पालन कर सकेगा, परिवार की जिम्मेदारी निभा सकेगा और समाज के लिए उपयोगी कार्य कर सकेगा। इस दृष्टि से आरोग्य केवल व्यक्तिगत आवश्यकता नहीं, बल्कि जीवन की समस्त उपलब्धियों का आधार है।

आयुर्वेद की परंपरा में धन्वंतरि का स्थान अत्यंत आदर का है। उन्हें देवताओं का वैद्य कहा गया है। काशी के राजा दिवोदास को भी धन्वंतरि की परंपरा से जोड़ा जाता है। सुश्रुत संहिता में वर्णित शल्य चिकित्सा की परंपरा का संबंध दिवोदास धन्वंतरि से माना जाता है। भारतीय चिकित्सा ज्ञान में रोगों की पहचान, शरीर की बनावट, औषधियों के प्रयोग और शल्य चिकित्सा का जो विस्तार मिलता है, वह इस परंपरा की समृद्धि का परिचायक है। सुश्रुत संहिता में स्वस्थ मनुष्य की जो परिभाषा दी गई है, वह आज भी ध्यान देने योग्य है।



समदोषः समाग्निश्च समधातुमलक्रियः।
प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाः स्वस्थ इत्यभिधीयते॥

अर्थात जिसके वात, पित्त और कफ संतुलित हों, पाचन अग्नि ठीक हो, शरीर की धातुओं और मल की ये क्रियाएं सामान्य हों तथा आत्मा, इंद्रियां और मन प्रसन्न हों, वही वास्तव में स्वस्थ है। यहां स्वास्थ्य का अर्थ केवल रोग का न होना नहीं है। शरीर के साथ मन और इंद्रियों की प्रसन्नता को भी महत्व दिया गया है। भगव-गीता में भी श्रीकृष्ण ने भोजन, व्यवहार और दिनचर्या में संतुलन को महत्व दिया है।

युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।
युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा॥
(6.17) अर्थात उचित मात्रा में भोजन और विहार करने वाले, अपने कर्मों में संतुलित रहने वाले तथा सोने और जागने में नियमितता रखने वाले मनुष्य का योग उसके दुखों को दूर करने वाला होता है। धनतेरस पर धन्वंतरि का स्मरण करते समय यह श्लोक बताता है कि स्वस्थ जीवन केवल औषधियों से नहीं, बल्कि संयमित दिनचर्या से भी जुड़ा है।

धनतेरस पर नई वस्तु खरीदने की परंपरा भी इसी समृद्धि की कामना से जुड़ी है। घरों में पीतल, तांबे, कांसे और चांदी के बर्तन लाने की मान्यता है। कुछ स्थानों पर लोग सोना-चांदी खरीदते हैं तो कहीं नई झाड़ू खरीदने का भी रिवाज है। झाड़ू को घर की स्वच्छता और दरिद्रता दूर करने का प्रतीक माना जाता है। कहीं धन्वंतरि की पूजा होती है, कहीं लक्ष्मी और कुबेर की आराधना की जाती है तो कहीं व्यापारी अपने बही-खातों और तराजू की पूजा करते हैं। इन लोकपरंपराओं का स्वरूप क्षेत्र और परिवार के अनुसार बदलता रहता है।

धनतेरस की एक और सुंदर परंपरा यमदीपदान की है। संध्या के समय घर के बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीपक जलाया जाता है। इसके पीछे अकाल मृत्यु से परिवार की रक्षा की लोककामना जुड़ी हुई है। राजा हिम के पुत्र और उनकी बुद्धिमती पत्नी की कथा भी इसी अवसर पर सुनाई जाती है। लोककथा के अनुसार विवाह के चौथे दिन राजकुमार की मृत्यु सर्पदंश से होने की भविष्यवाणी थी। पत्नी ने उस रात घर के द्वार पर सोना-चांदी और आभूषण रखकर दीपक जलाए तथा गीत और कथाओं से पूरी रात जागरण किया। सर्प के रूप में आए यमराज दीपों और आभूषणों की चमक से आगे नहीं बढ़ सके और राजकुमार का जीवन बच गया। इसी लोकविश्वास से यमदीपदान की परंपरा को जोड़ा जाता है। इस कथा में मृत्यु के भय के सामने जीवन के प्रति प्रेम, सजगता और मंगलकामना का भाव दिखाई देता है। दीपक यहां परिवार के सुरक्षित और दीर्घ जीवन की कामना का प्रतीक बन जाता है।

धनतेरस का एक पक्ष ऐसा भी है, जिस पर आज अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। धन्वंतरि की आराधना का संबंध औषधियों और वनस्पतियों से भी है। आयुर्वेद में वनस्पतियों को रोगों के उपचार का महत्वपूर्ण साधन माना गया है।

हमारे जंगलों में मिलने वाली गिलोय, हरड़, बहेड़ा, आंवला, नीम, अश्वगंधा और अनेक दूसरी वनस्पतियां औषधीय उपयोग के लिए जानी जाती हैं। वनवासी और ग्रामीण समाज में पीढ़ियों से वनौषधियों के उपयोग का ज्ञान संचित होता आया है। जंगल के किसी पेड़ की छाल, पत्ती, जड़ अथवा फल का उपयोग किस परिस्थिति में किया जाए, यह जानकारी स्थानीय वैद्यों और परंपरागत जानकारों के अनुभव में सुरक्षित रही है। भगव-गीता का एक श्लोक प्रकृति, वर्षा और अन्न के बीच के संबंध को बहुत सुंदर ढंग से सामने रखता है।

दीवाली से पहले बजी महिलाओं के मोबाइल में खुशी की घंटी

महतारी वंदन योजना की 33 वीं किस्त जारी, महिलाओं में उत्साह का माहौल

धनंजय राठौर
संयुक्त संचालक, जनसंपर्क
संचालनालय, रायपुर

दीवाली से पहले बजी महिलाओं के मोबाइल में खुशी की घंटीछत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उनकी आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने की दिशा में चलाई जा रही महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की माताओं-बहनों को दीवाली के पहले एक बड़ी सौगात मिली है। राज्योत्सव के समापन समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में महतारी वंदन योजना की 33वीं किस्त जारी की। इसके अंतर्गत प्रदेश की 67 लाख 40 हजार 410 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से कुल 632 करोड़ 63 लाख 67 हजार 750 रुपये की राशि अंतरित की गई।



67 लाख 33 हजार 502 महिला हितग्राहियों को लाभ

दीवाली से पहले महतारी वंदन योजना की 33 वीं किस्त जारी होने से महिलाओं और उनके परिवार में उत्साह का माहौल है। छत्तीसगढ़ शासन की इस निरंतर वित्तीय सहायता से प्रदेश की महिलाएं अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ परिवार की आर्थिक गतिविधियों में भी सक्रिय योगदान दे रही हैं। ई-केवाईसी पूर्ण करा चुकीं 67 लाख 33 हजार 502 महिला हितग्राहियों को लाभ मिला। इसके साथ ही नियद नेल्ला नार कैंप क्षेत्रों की 6,908 महिलाओं को भी योजना की 33वीं किस्त प्रदान की गई। महतारी वंदन योजना के माध्यम से पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना का उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करना, परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति में उनकी सहभागिता बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनाना है।

महतारी वंदन योजना की 33 वीं किस्त पात्र महिलाओं के बैंक खाते में अंतरित

ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश की विवाहित महिलाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए 10 मार्च 2024 को महतारी वंदन योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के अंतर्गत 67 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खाते में प्रतिमाह 1000 रुपए अंतरित किए जाते हैं। अब तक योजना की 33वीं किस्त के माध्यम से पात्र महिलाओं के बैंक खाते





में 21 हजार 350.50 करोड़ रुपए अंतरित किए जा चुके हैं। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से महिलाएं न केवल परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हुई हैं, बल्कि खास अवसरों और त्योहारों को भी धूमधाम से मनाने में भी सक्षम हुई हैं।

महिलाओं के आर्थिक रूप से सक्षम होने पर व्यापारियों को भी लाभ हुआ है। महतारी वंदन योजना के शुरू होने से बाजारों में रौनक बढ़ी है। करवाचौथ से शुरू हुआ महिलाओं के द्वारा खरीदारी का दौर निरंतर जारी है। महिलाओं के आर्थिक रूप से सक्षम होने से परिवार के मुखिया पर आर्थिक बोझ कम हुआ है। इस कारण महिलाएं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का प्रति आभार व्यक्त कर रही हैं।

जब शासन की सहायता सही व्यक्ति तक पहुंचती है, तो वह केवल आर्थिक सहयोग नहीं रहती, बल्कि वह किसी महिला के लिए आत्मविश्वास बनती है, किसी परिवार के लिए उम्मीद, किसी बेटी के लिए सुरक्षित भविष्य और किसी बच्चे के लिए स्वस्थ जीवन की शुरुआत होती है।

कुमारी देवी चौबे की पुण्यतिथि मनाई गई

श्रद्धांजलि सभा के बाद अस्पताल में मरीजों और आंगनबाड़ी के बच्चों को फल एवं बिस्किट का किया गया वितरण

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खमरिया। अविभाजित मध्यप्रदेश एवं वर्तमान छत्तीसगढ़ की साजा विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक मां कुमारी देवी चौबे की पुण्यतिथि के अवसर पर मां कुमारी देवी चौबे क्लब के तत्वावधान में स्थानीय गांधी चौक में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके द्वारा गरीबों, मजदूरों एवं किसानों के हित में किए गए कार्यों को याद किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मां कुमारी देवी चौबे ने साजा विधानसभा क्षेत्र के विकास की जो नींव रखी थी, उसी के परिणामस्वरूप क्षेत्र आज विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों और जनहित में किए गए योगदान को क्षेत्र की जनता सदैव याद रखेगी। उनका जीवन जनसेवा और गरीबों के उत्थान के लिए समर्पित रहा।



श्रद्धांजलि सभा के पश्चात शासकीय अस्पताल में मरीजों को फल एवं बिस्किट वितरित किए गए। वहीं आंगनबाड़ी केंद्र में पहुंचकर बच्चों को भी बिस्किट का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रोशन सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र उपाध्याय, पूर्व अध्यक्ष मनहरण सिन्हा, मां कुमारी देवी चौबे क्लब के अध्यक्ष सतीश जोशी, वरिष्ठ कांग्रेसी अशोक भारती, पार्षद करीम बेग, वीरेंद्र सिन्हा, नरेश पटेल, टेक राम साहू, दुर्गेश पात्रे, देवी निर्मलकर, मनीष अग्रवाल, सुरेश सिंह, सनत सिंह, अमरूद पटेल, शंकर कुंभकार, गणेश मंडावी, पवन, योगेश मिश्रा, संतोष कुमार, ढाल सिंह, मोती कुंभकार, पिंटू दुबे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

भाटापारा बाजार में दीपावली के कारण लोग उत्साह के साथ खरीदी करने पहुंच रहे है

भाटापारा। दीपावली पर्व को लेकर लोगो में अब भारी उत्साह का माहौल बन गया है। इसके कारण बाजार में उम्मीद के मुताबिक भारी भीड़ का माहौल नजर आ रहा है। खासकर कपड़ा बाजार एवं मोबाईल बाजार में जबरदस्त ग्राहकी देखने को मिल रहा है। नगर में अधिकांश कपड़ा दुकान एवं रेडीमेड वस्त्र भंडार के अलावा विभिन्न शॉपिंग मार्ट में ग्राहकी का अंबार लगा हुआ है। वहीं शहर में अन्य सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठान जिसमें इंटरप्राईजेस के सामान रंग - रोगन के सामान तथा रंगोली , झालर, इलेक्ट्रिक, इलेक्ट्रॉनिक, स्टेशनरी मार्ट एवं सराफा बाजार में भी जबरदस्त ग्राहकी का माहौल बना हुआ है। सोना - चांदी के भाव में गिरावट के बाद पिछले दो दिनों में सराफा बाजार में ग्राहकी का सैलाब उमड़ पड़ा है। वहीं किराना एवं अन्य मनिहारी, जनरल स्टोर्स के अतिरिक्त बाजार के विभिन्न खाई - खजाना दुकानों में अब लाई - बताशा, ईलायची दाना, पेठा, एवं मिठाईयों की भी बिक्री धड़ल्ले से हो रही है। वहीं जगह जगह मिट्टी के बने दिये व अन्य सामान के दुकान भी सैकड़ो की तादाद में लग चुके है। जहां पर ग्राहको की अच्छी खासी भीड़ उमड़ रही है। इनसब के अलावा किराना दुकान में भी लोग आवश्यक सामानों की खरीदी के साथ साथ नारियल, अगरबत्ती व पूजन सामग्री की बड़े पैमाने पर खरीदी करने जुटे हुए है। भारी ग्राहकी के कारण शहर के हटरी बाजार, सदर बाजार, जय स्तंभ चौक , महासती मंदिर मार्ग एवं पलव्वाग चौक, मुंगेली बस स्टैण्ड जैसे मार्ग पर यातायात लगातार अवरूद्ध हो रहा है। जहां पर व्यवस्था बनाये जाने की दरकार है।



दीपावली एवं छठ पूजा की भीड़ को देख तीन - तीन फेरें के लिए स्पेशन ट्रेन चलेगी



ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। दीपावली एवं छठ पूजा त्यौहार के दौरान रेल यात्रियों की भीरी भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन ने यात्रियों को कन्फर्म बर्थ के साथ उनकी यात्रा सुविधापूर्ण रूप से सुनिश्चित कराने के दृष्टिकोण से दुर्ग - बरौनी - दुर्ग के बीच तीन तीन फेरों के लिए दीपावली और छठ पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के तहत ट्रेनें क्रमांक 08755 दुर्ग - बरौनी पूजा स्पेशल ट्रेन दुर्ग रेलवे जंक्शन से प्रत्येक बुधवार 04 नवंबर, 11 नवंबर एवं 18 नवंबर को दुर्ग से चलेगी। इसी प्रकार ट्रेन क्रमांक 08756 बरौनी - दुर्ग पूजा स्पेशल ट्रेन बरौनी रेलवे स्टेशन से प्रत्येक गुरूवार 05 नवंबर , 12 नवंबर एवं 19 नवंबर को चलेगी। इस ट्रेन का ठहराव दुर्ग के बाद रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा एवं रायगढ़ सहित अन्य प्रमुख स्टेशनों में दिया गया है। उपरोक्त ट्रेन दुर्ग से 10.30 बजें रवाना होगी व 11.15 बजे रायपुर पहुचेगी। इसके पश्चात 12 बजकर 12 मिनट पर भाटापारा आयेगी। यहां से रवाना होने के बाद अन्य स्टेशनों पर उक्त ट्रेन रूकते हुए दूसरे दिन 11 बजें बरौनी स्टेशन पहुंचेगी।

बी.एड. में रविकांत वर्मा को मिला स्वर्ण पदक



भाटापारा। पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित सप्तम दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति माननीय छ.ग. के राज्यपाल रमेन डेका ने रविकांत वर्मा को बी.एड. में स्वर्ण पदक प्रदान किया। कार्यक्रम में छ.ग. राज्य के उपमुख्यमंत्री अरुण साव , धरमलाल कौशिक विधायक सुशांत सिंह ने मंच पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए रविकांत वर्मा के उज्वल भविष्य की कामना की। स्वर्ण पदक प्राप्ति पर एस. के. गेन्दले , भास्कर देवांगन, चेतन बघेल, हरिशंकर जायसवाल, मुन्ना मनहरे, अशोक शर्मा, तेजराम वर्मा, अखिलेश आडिल, टीकाराम साहू, लेखराम साहू, अनुज राम कुर्रे, अरुण वर्मा, नीलकंठ वर्मा, सुषमा सिंह, गायत्री सोनवानी, कमलेश वर्मा, भूपेश पाण्डेय, कल्पना मिश्रा, प्रेरणा ठाकुर, आरती सार्वा , उमाप्रसाद राठौर, शरद यादव, राजेश्री वर्मा, चन्द्रकली नेताम, जानकी वर्मा, लोचन नेताम सहित अन्य लोगो ने बधाई दी है।

धारदार चाकू लहराकर दहशत पैदा करने वाले को पुलिस ने दबोचा

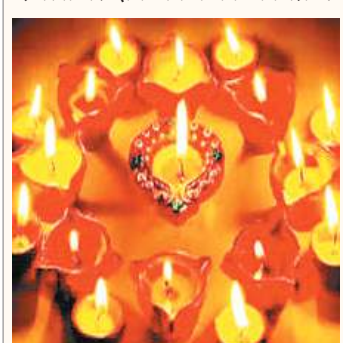


भाटापारा। पुलिस अधीक्षक गौरव राय सख्त निर्देश के बाद पुलिस दल ने अवैध हथियार रखने वाले एवं सार्वजनिक स्थलों पर दहशत फैलाने वालो के विरूद्ध कार्यवाही तेज कर दी है। उक्त संबंध में पुलिस को सूचना मिली कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पटपर , लाल बहादुर शास्त्री वार्ड में आम जनता को धारदार चाकू दिखाकर एक युवक डरा धमका रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस की टीम ने वहां पर पहुंचकर घेराबंदी करते हुए डोमनदास देवदास नामक 19 वर्षीय युवक को धर दबोचा । उसके कब्जे से एक धारदार चाकू पुलिस ने बरामद किया है। उसके विरूद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत कार्यवाही की गई है।

पीडब्ल्यूडी की नई एसडीओ सीमा दीवान

भाटापारा। स्थानीय लोक निर्माण विभाग के अनुविभागीय अधिकारी के एक लंबे समय से रिक्त पद पर शासन ने सीमा दीवान को एसडीओ पीडब्ल्यूडी पदस्थ किया है।

सरयू साहित्य परिषद द्वारा विभिन्न स्थलों पर दीप अर्पण का कार्यक्रम



भाटापारा। इस वर्ष भी सरयू साहित्य परिषद द्वारा विविध डगर दीप अर्पण अनुष्ठान के तहत नगर के सार्वजनिक स्थलों में दीप अर्पण किया जाएगा। जनभागीदारी से संचालित होने वाले इस अभियान मे पिछले वर्ष दीपोत्सव के अवसर पर मंदिरों स्कूलों अस्पतालों चौक चौराहों महापुरुष की प्रतिमाओं सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों मे दीप अर्पण किया गया था। उसके उपरांत यज्ञस्थल नाका नंबर एक मे भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या मे जनमानस की भागीदारी नजर आयी। इस वर्ष भी डगर डगर उजियारा अभियान को लेकर तैयारियों का दौर जारी है,जनभागीदारी से संपादित होने वाले इस अभियान मे अधिक से अधिक भागीदारी का आव्हान सरयू साहित्य परिषद द्वारा किया गया है। उक्ताशय की जानकारी मुकेश शर्मा ने दी है।

त्यौहारी कचरा निकलने से सफाई व्यवस्था बिगड़ी

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। प्रमुख त्यौहार दीपावली के पूर्व लोगो के घर व दुकानों से बड़ी तादाद में कुड़ा करकट, कचरा बाहर निकल रहा है जिसके फलस्वरूप शहर की सफाई व्यवस्था एक बार फिर पटरी से उतर गई है। नाली नालो व सड़क के कचरों के अलावा लोगो के घरो से दीपावली साफ सफाई के दौरान निकल रहे भारी पैमाने पर कचरो के कारण शहर में सफाई व्यवस्था का हाल बिगड़ चुका है। प्रायः घर घर से टिन टप्पर कॉपी किताब व अनुपयोगी सामान बाहर फेके जा रहे है जिसे कुछ लोग उठाकर जहां कबाड़ी दुकान में बेच रहे है वहं स्वच्छता मिशन की बैटरी चलित गाड़ियों में भी टीन टप्पर, लोहा, प्लास्टिक व पुड़े भरे जा रहे है जिसके कारण मूल कचरा उठ नही पा रहा है। फलस्वरूप शहर में गंदगी का माहौल दिखने लगा है। इसको लेकर पालिका प्रशासन को त्यौहार तक विशेष सफाई अभियान के लिए ध्यान देना चाहिए। इसके तहत स्वच्छता मिशन में लगे लोगो को दोपहर तक कचरा उठाने के अभियान में संलग्न करके कार्य लेना चाहिए वहीं नाली सफाई , सड़क सफाई करने वालों के भी कार्य को नियमित रूप से पूर्ण अवधि तक किया जाना चाहिए। समुचित देखरेख के अभाव में अनेक कर्मचारी अपने कार्यस्थल से गायब रहते है। जिसके कारण सफाई व्यवस्था बिगड़ गई है। इसके अलावा रेलवे अंडर ब्रिज टेहका फाटक रेलवे अंडर ब्रिज हटरी बाजार एवं रेलवे ओव्हर ब्रिज के उपर भी गंदगी व धुल की मोटी परत जम जाने से आवा जाही में लोगो को दिक्कतो से जुझना पड़ रहा है। उपरोक्त क्षेत्र में भी विशेष सफाई अभियान चलाये जाने की जरूरत है।



शहर में सुवा नृत्य की बहार, दुर दुर से पहुंच रही है महिलाएं



ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर में इन दिनों संपूर्ण रात दुर दराज क्षेत्र व गांव से महिलाओं की टीम सुवा नृत्य के जरिये दीपावली के आगमन की सूचना दे रही है। आम तौरपर सुवा नृत्य दीपावली त्यौहार के दौरान ही देखने को मिलता है। इस नृत्य में आठ से दस व कही कही अधिक संख्या में महिलाएं व युवतियां तथा बालिकाएं एक गोल घेरा बनाकर सुवा गीतो की मधुर धुन व तालियों की थाप के साथ नृत्य करती है। इस प्रकार के नृत्य में टोकरी में धान के ऊपर मिट्टी से बने दो तोते जिसे सुवा कहा जाता है वह रखती है और गोल घेरा बनाकर गीतो के साथ ताली पीटते हुए मनमोहक नृत्य प्रस्तुत करती है। टोकरी पर रखे धान के ऊपर बने हुए दो तोते जिसे प्रतिकात्मक रूप से पार्वती व शिव का रूप मानकर पूजन किया जाता है। भाटापारा शहर में इस वक्त ग्राम पथरिया, जेथौडीह, निपनिया , दगोरी, पाटन, खैरा सहित दुर दुर क्षेत्र से महिलाएं सुवा नाचने पहुंच रही है। उनकी आकर्षक नृत्य की शैली से प्रभावित होकर दुकानदार व अनेक घर जहां पर वह सुवा नृत्य करती है उन्हें यथाशक्ति दान देकर विदा कर रहे है। बताया जाता है कि सुवा नृत्य का समापन दीपावली के बाद गौरा - गौरी के आयोजन के बीच विवाह की रस्म अदायगी के साथ संपन्न होगा।

संकुल स्तरीय खेल प्रतियोगिता में कन्या प्राथमिक शाला का रहा दबदबा

विभिन्न खेल स्पर्धाओं में विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम, विजेताओं को किया गया सम्मानित

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला थान खम्हरिया में संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। प्रतियोगिता में संकुल के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न खेल स्पर्धाओं में कन्या प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा कायम रखा।

प्रतियोगिता का शुभारंभ राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इसके पश्चात बालक एवं कन्या वर्ग में कबड्डी, खो-खो, रिले रेस, 100, 200 एवं 80 मीटर दौड़ सहित आलू दौड़, बोरा दौड़, सुई-धागा दौड़ तथा गोली-चम्मच दौड़ जैसी विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गईं। खेल मैदान में बच्चों के बीच जीत को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती, कौशल एवं टीम भावना का परिचय देते हुए दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। कन्या प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा। वहीं कन्या पूर्व माध्यमिक शाला को संबंधित स्पर्धा में अन्य विद्यालय से प्रतिभागी नहीं होने के कारण वॉकओवर प्राप्त हुआ।



समापन अवसर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला की प्राचार्य श्रीमती संध्या दीपक ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलों से शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता को सफल बनाने में संकुल प्रभारी सहित संकुल के सभी शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा। सभी के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से खेल प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

दीपावली त्यौहार को मद्दे नजर रख ग्रामीण पलायन से वापस लौट रहे हैं

ट्रेन व बसो में खचाखच भीड़ से सामान्य यात्रियों को जगह नहीं मिल रही है

भाटापारा। महापर्व दीपावली के आगमन को देखते हुए इन दिनों भाटापारा रेलवे स्टेशन में भारी चहल पहल का वातावरण बना हुआ है। जिसका मुख्य कारण यह बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य से काम की तलाश में महानगरो की ओर गये। ग्रामीण दीपावली त्यौहार पर अब अपने घरो की ओर लौट रहे है। ग्रामीणों के घर वापसी के कारण भाटापारा स्टेशन से गुजरने वाली तमाम यात्री ट्रेनों जिसमें गोंडवाना एक्सप्रेस, उधमपुर - दुर्ग एक्सप्रेस, संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, आरा - दुर्ग एक्सप्रेस, कानपुर - दुर्ग एक्सप्रेस, अमृतसर - कोरबा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के अलावा बिकानेर



एक्सप्रेस, जम्मु - तवी एक्सप्रेस, यशवंतपुर एक्सप्रेस, तिरूपति एक्सप्रेस, तिरूवेंक्षी एक्सप्रेस, पुणे - बिलासपुर एक्सप्रेस, हावड़ा - पुणे एक्सप्रेस, शिवनाथ एक्सप्रेस, अमरकंटक एक्सप्रेस सहित अन्य तमाम एक्सप्रेस ट्रेनों में पलायनकर्ता मजदूर अब अपने घरो की ओर लौट रहे है जिसके कारण उपरोक्त सभी ट्रेनों में भारी भीड़ का माहौल चल रहा है। जनरल बोगी में तो पैर धरने की भी जगह नही है जिसके कारण अप डाऊन करने वाले यात्रियों को परेशानी से जुझना पड़ रहा है। पलायनकर्ता ज्यादातर मजदूर अहमदाबाद, सुरत, भुज, जम्मु, गाजियाबाद, नोएडा, सोनीपत, पानीपत, हिसार, नई दिल्ली, जेपाल, नागपुर, कन्हान, जमशेदपुर, टाटानगर, कानपुर, बनारस, गोरखपुर,इलाहाबाद, अमृतसर, लुधियाना, जलंधर, पुणे, नासिक, अमरावती सहित यशवंतपुर हैदराबाद, बैंगलोर, विशाखापटनम सहित अन्य महानगरों की ओर गये थे वे अब दीपावली त्यौहार को मनाने गांव की ओर लौटने लगे हैं जिसके कारण भाटापारा रेलवे स्टेशन में भारी भीड़ उमड़ पड़ी हैं। यहां से उपरोक्त मजदूर व ग्रामीण बस व टैक्सी पकड़कर गांव की ओर जा रहे है जिसके चलते भाटापारा से चारो दिशाओं में दौड़ने वाली यात्री बस खचाखच सवारी के साथ दौड़ रही हैं वहीं अनेक गांव तक ग्रामीण स्पेशल टैम्पो, टैक्सी व ई - रिक्शा को बुक कर अपने गांव की ओर रवाना हो रहे हैं जिसके कारण सभी वाहन चालको को भारी व्यस्तता के बीच अच्छा काम भी मिल रहा है।

एक नजर

बच्चों की सुरक्षा केवल कानून की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज का संकल्प है - न्यायाधीश अशोक कुमार लाल

भाटापारा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के बाल सुरक्षा एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, टिकुलिया में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। उक्त अवसर पर जिला न्यायाधीश अशोक कुमार लाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बाल अधिकारों, बच्चों की सुरक्षा, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर अपराधों तथा विधिक सहायता की उपलब्ध व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण, पुलिस प्रतिनिधि, अधिवक्तागण एवं वॉलिंटियर्स भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में न्यायाधीश लाल ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि कानून की जानकारी केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। प्रत्येक बच्चे को यह मालूम होना चाहिए कि उसके अधिकार क्या हैं, असुरक्षित परिस्थिति में उसे क्या करना है और सहायता के लिए कहाँ संपर्क करना है। उन्होंने कहा



कि 18 वर्ष से कम आयु का प्रत्येक व्यक्ति कानून की दृष्टि में बच्चा है तथा प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण, सम्मान और जीवन का अधिकार है। बच्चों की व्यक्तिगत सुरक्षा और आत्मसम्मान पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आपकी सुरक्षा किसी व्यक्ति के गुस्से, धमकी या प्रतिष्ठा से अधिक महत्वपूर्ण है। यदि कोई व्यवहार आपको असहज करता है, तो उसे चुपचाप सहन करना आपकी मजबूरी नहीं है। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार, शारीरिक या मानसिक उत्पीड़न की स्थिति में बिना संकोच अपने माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय वयस्क को अपनी बात बतानी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि यदि किसी बच्चे के साथ कोई अप्रिय घटना घटित होती है, तो उसे दोषी या शर्मिंदा महसूस नहीं कराया जाना चाहिए। कार्यक्र म में स्कूल के प्राचार्य सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पॉलीटेक्निक कॉलेज में आयोजित संवाद में अश्वनी शर्मा हुए शामिल



ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। स्थानीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में विकसित भारत यंग लीडर्स डॉयलॉग एवं युथ पार्लियामेंट 2027 के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर संवाद का आयोजन हुआ । उक्त कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था चुनावी प्रक्रिया एवं राष्ट्रहित में युवाओं की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने एक राष्ट्र एक चुनाव को आज की जरूरत बताते हुए कहा कि बात बात में अलग अलग चुनाव प्रि या से एक बड़ी राशि व समय का अपव्यय होता है। एक राष्ट्र एक चुनाव की चुनावी प्रक्रिया देश हित में जरूरी हो गया है। शर्मा ने युवा शक्ति को देश का भविष्य बताते हुए कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की सबसे बड़ी ताकत युवाओं में है। अत: युवाओं को सत्यनिष्ठ व प्रतीज्ञा से राष्ट्र हित में सकारात्मक कार्य करने की ओर सोचना है और इस दिशा में आगे बढ़ना है । उपरोक्त अवसर पर रमन पटेल प्रिती बंछोड़, डॉ. रिता यादव, डॉ. आर के वर्मा, श्रीमति आम्रपाली, धमगाया, योगेन्द्र कुमार, परमेश्वर साहू, राजीव मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का मार्गदर्शन प्राचार्य सुनिता तिवारी ने किया।

विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों के लिए आकलन एवं मूल्यांकन शिविर



ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। समग्र शिक्षा संचालक एवं कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार एलिम्को रायपुर और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से शासकीय विद्यालयों एवं पीएम श्री विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के लिए आंकलन एवं मूल्यांकन शिविर हमर अस्पताल में आयोजित किया गया। जिसमें विकासखंड भाटापारा, सिमगा के आयोजित शिविरों का उद्देश्य बच्चों की दिव्यांगता का आंकलन कर प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना तथा जरूरत के अनुसार सहायक उपकरणों के लिए चिन्हांकन करना था। 63 बच्चों का उनकी जरूरत अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए चिन्हांकित कर माप लिया। शिविर में ही प्रमाण-पत्र बनने से बच्चों और उनके अभिभावकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किया परीक्षण शिविर में जिला चिकित्सालय के डॉ. के.के. टेम्भुरने एवं डॉ. राजेन्द्र महेश्वरी, डॉ. सौरव वर्मा सहित अन्य सदस्यों ने सहायक उपकरणों के लिए बच्चो का माप लिया। उक्त अवसर पर शिव कुमार गेन्दले, नरेन्द्र वर्मा, खिलावन वर्मा, जहीर अब्बास, भास्कर देवांगन,अर्चना यादव, प्रीति देशमुख, देवेन्द्र सोनी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भाटापारा मंडी में महामाया नया धान फिर 2936 रूपयें की दर पर बिका

भाटापारा। प्रदेश की सबसे बड़ी कृषि उपज मंडी में बेमौसम बरसात के बावजुद ग्रामीण क्षेत्र से धान व उन्हारी बेचने किसान लगातार पहुंच रहे है। इस बीच क्षेत्र में स्थित पांच सौ से अधिक राईस व पोहा मिल संचालकों को अभी भी मांग की तुलना में पर्याप्त धान उपलब्ध नही हो पा रहा है। फलस्वरूप मिलर्स, एजेंट, दलाल व अपने प्रतिनिधियों व कर्मचारियों को दुर दराज के क्षेत्र के साथ उड़ीसा जेजकर धान ला रहे है। शुक्रवार को भाटापारा मंडी प्रांगण में खराब मौसम के बीच नया महामाया धान बिक्री के लिए पहुंचा और वह 2936 रूपयें प्रति क्विंटल के बहुत अच्छे भाव में बिक गया। इसी तरह पुराना महामाया धान भी 2600 रूपयें प्रति क्विंटल के सम्मान जनक भाव में बिका। मोटा रगजा धान को भी उम्मीद से ज्यादा भाव मिला और वह 2280 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बेचा गया। विष्णुजेग ईनेम धान 7330 रूपयें प्रति क्विंटल केभाव से बेचा गया। एचएमटी ईनेम 4691 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बिका। श्रीराम ईनेम 5242 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बेचा गया। महामाया ईनेम 2925 रूपयें प्रति क्विंटल के दर से बिका। वहीं उन्हारी उपज में चना ने ऊची छलांग लगाते हुए 7240 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बिककर किसानों को प्रसन्न चित्त कर दिया। इसी तरह राहर भी 9201 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बिका। वहीं गेंहू 2663 रूपयें प्रति क्विंटल के उछल भरे भाव में बिका। इस तरह खराब मौसम के बावजुद भाटापारा मंडी में किसानों को उनकी उपज का उम्मीद से ज्यादा भाव प्राप्त हुआ।

निधन - अमरू साहू



भाटापारा । ग्राम तरेंगा निवासी अमरू साहू का निधन हो गया उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

मौसम खुलते ही भाटापारा शहर में बना त्यौहारी माहौल

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। अनंव तूफान के चलते शहर व क्षेत्र में हुई 2 दिनों की बारिश के बाद शनिवार को मौसम के आंशिक रूप से खुलते ही नगर का त्यौहारी बाजार पुरी चमक दमक के साथ ग्राहकी के सैलाब में डुबा रहा। बेमौसम बारिश के बाद दीपावली त्यौहार को लेकर नगर में पुरी तरह त्यौहार का माहौल बन गया है। शहर में रंग रोगन ,कपड़ा, रेडीमेड वस्त्र, रंगाई - पोताई के सामान इलेक्ट्रिक , इलेक्ट्रोनिक सामान, हार्डवेयर, ज्वेलरी शॉप के अलावा सराफा बाजार में भी जबरदस्त ग्राहकी उमड़ने से समुचे सदर बाजार, हटरी बाजार, राम सखाह चौक, जय स्तंभ चौक , गौरवपथ मार्ग में जाम के हालात लगातार बने रहे। बाजार में ज्यादातर, ग्रामीण क्षेत्र के ग्राहक अभी से दीपावली पर्व को लेकर अपनी जरूरतो के सामान के साथ साथ चुना रंग , वॉर्निश पेंट, ऑयल पेंट के अलावा साज सज्जा के सामान किराना सामान जुता, चप्पल ,



पूजन सामग्री के अतिरिक्त दुपहिया वाहन, बैटरी चलित वाहन खरीदने बड़ी तादाद में पहुंचने लगे है। जिसके कारण समुचे भाटापारा बाजार में दीपावली त्यौहार की चमक व धमक देखने को मिला । अच्छी ग्राहकी से तमाम दुकानदार सुबह से देर रात अपने कारोबार में व्यस्त रहे। शहर के अनेक दुपहिया चौपहिया एवं बैटरी चलित तिपहिया वाहन के शोरूम में भी भारी चहल पहल का वातावरण बना रहा। यहां पर उम्मीद से अधिक ग्राहक दुपहिया व चौपहिया वाहन खरीदने पहुंचे अनेक ग्राहको ने आगामी धनतेरस पर्व के दिन गाड़ी उठाने की इच्छा प्रकट करते हुए वाहन उठाने का अनुबंध किया। इसी प्रकार तीन पहिया वाहन बैटरी चलित के तीन दर्जन से अधिक ग्राहको ने भी धनतेरस पर्व पर वाहन उठाने का अनुबंध किया। त्यौहारी ग्राहकी के उमड़ने से विभिन्न इंटरप्राईजेस दुकानों व मोबाईल दुकानों में आपार भीड़ के कारण अनेक संस्थानों के सामने रास्ता जाम के हालात उत्पन्न हो गये । इधर नागरिको ने त्यौहारी सीजन को देखते हुए तमाम प्रकार के चौपहिया तिपहिया व भारी वाहनों के नगर प्रवेष पर रोक लगाने की मांग प्रशासन से की है। खासकर स्टेशन रोड, सदर बाजार, हटरी बाजार, जय स्तंभ चौक, सती मंदिर क्षेत्र में बे- रोकटोक 24 घंटे प्रवेश कर रहे भारी वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग लोगो ने की है। क्योकि आने वाले दिनों में ज्यो ज्यो दीपावली पर्व का समय करीब आयेगा। त्यो त्यो जबरदस्त ग्राहकी का माहौल शहर में और बढ़ेगा जनहित में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ क रते हुए अतिरिक्त पुलिस बल भाटापारा शहर में विभिन्न चौक चौराहे पर तैनात किये जाने की जरूरत है।

दिल्ली प्रदर्शन में भाग लेने अनेक कांग्रेसी नेता शहर से रवाना हुए

भाटापारा। कांग्रेस के द्वारा आयोजित नई दिल्ली रैली में शामिल होने भाटापारा विधानसभा क्षेत्र से बड़ी तादाद में कांग्रेस नेता नई दिल्ली के लिए रवाना हुए । अनेक नेता जहां पहले से सड़क मार्ग द्वारा दिल्ली रवाना हो गये है। वहीं बड़ी संख्या में अनेक कांग्रेसी विभिन्न ट्रेनों के माध्यम से रवाना हुए। इसी तरह अनेक कांग्रेस नेता वायुयान से दिल्ली के लिए रवाना हुए जिसमें पूर्व मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंग टेकाम , पूर्व विधायक राठिया, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमेश धृतलहरे, पूर्व जिला महामंत्री संतोष सोनी, अनिल धुव, सुशील शर्मा सहित अन्य लोग हवाई यात्रा करते हुए दिल्ली के लिए रवाना हुए।

भाटापारा क्षेत्र पर धड़ल्ले से दौड़ रहें है सवारी भरे माल वाहक वाहन

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर व क्षेत्र में इन दिनों बड़े पैमाने पर माल वाहक चौपहिया वाहनों में यात्री सवारी ढोने की परंपरा लगातार वृद्धि में है। खासकर नारायणपुर, बैतलपुर से भाटापारा शहर की ओर तथा करहीबाजार मोपका , निपनिया, धनेली, क्षेत्र की ओर से भी बड़े पैमाने पर माल वाहक चौपहिया वाहन बड़ी संख्या में सवारी लाये ले जा रहे है। जबकि वरिष्ठ अधिकारी पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार यह कहा जा रहा है कि माल वाहक वाहनों में सवारी ढोने वाले वाहन चालको एवं वाहन मालिको के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जुर्माना वाहन जब्ती एवं परमीट रद्द करने जैसी कार्यवाही करने का निर्देश संबंधित थाना क्षेत्रों को दिया गया है उसके बावजुद भाटापारा क्षेत्र में दर्जनों की संख्या में नियमों का उल्लंघन कर माल वाहक चौपहिया वाहनों में सवारी ढोयें जा रहे है। जिससे बड़ी दुर्घटना होने का खतरा मंडराने लगा है। बताया जाता है कि इस प्रकार के वाहन भाटापारा , रोहरा,

मोहभट्ठा मार्ग पर भी दौड़ रहे है। अनेक माल वाहक वाहनों में शहर से दावनबोड़ मार्ग पर भी सवारी ढोयें जा रहे है।

इस प्रकार शहर व क्षेत्र में खुलेआम माल वाहक में सवारी ढोनें की बढ़ती प्रवृत्ति पर प्रशासनिक कार्यवाही नही होने से आये दिन उक्त किस्म के वाहन रेलवे स्टेशन क्षेत्र और सुरजपुरा गांव के मोड़ के पास ओव्हर ब्रिज के नीचे देखने को मिल रहे है। जिसमें बेखौफ होकर माल वाहक वाहन चालक सवारी ला- ले जा रहे है जिसपर कार्यवाही जरूरी हो गया है।

कृषि विज्ञान केन्द्र में प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस का आयोजन

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। कृषि विज्ञान केन्द्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त के हस्तांतरण के अवसर पर प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सविता प्रदीप अनंत, के मुख्य आतिथ्य, डॉ. अंगद सिंह राजपूत की अध्यक्षता तथा दीपक नायक, उपसंचालक कृषि के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के बनासकांठा से आयोजित राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त के अंतर्गत देश के लगभग 9.34 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 18,680 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई। वहीं जिले के 1,22,404 पात्र किसानों के खातों में 24.90 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की गई।

सविता प्रदीप अनंत ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण एवं जनकल्याणकारी पहल है। इस योजना के माध्यम से किसानों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है, जिससे उन्हें खेती-किसानी से जुड़ी छोटी-छोटी आवश्यकताओं की पूर्ति में सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था एवं खाद्य सुरक्षा की आधारशिला हैं। किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तभी गांवों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का समग्र विकास संभव होगा। उन्होंने किसानों से शासन की विभिन्न कृषि एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका अधिकाधिक लाभ उठाने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर खेती को लाभकारी बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. अंगद सिंह राजपूत जयेंद्र कँवर, डॉ प्रदीप कश्यप सहित 100 से अधिक प्रगतिशील किसान उपस्थित थे ।

कन्हैया को मिला कादम्बरी विविधा सम्मान 2026

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। छत्तीसगढ़ के युवा साहित्यकार एवं शिक्षक कन्हैया साहू 'अमित' को साहित्य की विविध विधाओं में उल्लेखनीय सृजनात्मक योगदान के लिए अखिल भारतीय साहित्यकार-पत्रकार अलंकरण समारोह में गत दिनों कादम्बरी विविधा सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान स्व. शिवनारायण माथुर की स्मृति में इंजीनियर इस्मिता माथुर द्वारा प्रदान किया गया। महाकौशल शहीद स्मारक भवन में आयोजित इस गरिमामय समारोह में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए 129 साहित्यकारों एवं पत्रकारों को उनके साहित्यिक और रचनात्मक अवदान के लिए राशि सहित सम्मानित किया गया। कादम्बरी संस्था द्वारा आयोजित इस समारोह में साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में सरि य



रचनाकारों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। कन्हैया साहू 'अमित' हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य में निरंतर सक्रिय हैं। बाल साहित्य, बाल कविता, कहानी, लोक साहित्य, जनउला, आलेख एवं अन्य साहित्यिक विधाओं में उनका रचनात्मक योगदान रहा है। उनकी दो दर्जन से अधिक प्रकाशित पुस्तकों में 'कविताई कैसे करूँ', 'जयकारी जनउला', 'फुरफुन्दी', 'करता कौन कमाल' और 'बचपन सतरंगा,' 'छत्तीसगढ़ की छत्तीस भाँजियाँ' प्रमुख हैं। उनकी रचनाओं में बालमन की संवेदनाएँ, लोकजीवन, सामाजिक सरोकार और शैक्षिक चेतना प्रमुखता से अभिव्यक्त होती हैं। उक्त उपलब्धि पर अभिव्यक्ति साहित्य परिवार भाटापारा के साहित्यकारों, शिक्षकों, अजय साहू, राज गुप्ता, रघुनाथ प्रसाद पटेल, भंवर सिंह साहू सहित अन्य लोगो ने बधाई दी हैं।

संक्षिप्त समाचार

भ्रष्टाचार मुक्त समाज के लिए रैली का आयोजन



भाटापारा। पावरग्रीड भाटापारा में एक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें आम नागरिको को सत्यनिष्ठा, ईमानदारी पारदर्शिता एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करते हुए भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। उपरोक्त अवसर पर दानेश्वर मेरिया, आशीष भौमिक, शुभम कुमार, बलदेव राम देवांगन सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग शामिल हुए।

निधन - दयावती बाई यदु



भाटापारा। ग्राम ढाबाढीह टेवरीडीह निवासी स्व श्रीमती दयावती बाई यदु का 85 वर्ष में निधन हो गया है जिनका अंतिम संस्कार गांव के मुक्तीधाम में किया गया जहां गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

पेंशनर्स एसोसिएशन ने 63 प्रतिशत महंगाई भत्ता की मांग की

भाटापारा। पेंशनर्स एसोसिएशन के भंवरलाल साहू, बाबूलाल साव ने छत्तीसगढ़ राज्य में भी केन्द्र की तरह कर्मचारी एवं पेंशनरों को 63 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने की मांग की है। उक्त नेताओं ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार फिलहाल केन्द्र सरकार की तरह 63 प्रतिशत महंगाई नही दे सकती है तो कम से कम मध्य प्रदेश सरकार की तरह जुलाई से महंगाई भत्ता देने की घोषणा करदे। संगठन ने उक्त संबंध में छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री विष्णु देव साय से मांग की है। उक्त मांग का समर्थन तुलसीराम साहू, जयलाल कश्यप, खुमान सिंग वर्मा, भागवत दास देवदास, उमा शुक्ला, शिवलाल यादव , किरण यादव सहित अन्य लोगो ने किया है।

आपसी पैसे के लेनदेन को लेकर चाकूबाजी की घटना हुई

भाटापारा। शहर में एक लंबे समय से हो रही चाकूबाजी की घटना पर विराम नही लग पा रहा है। आपसी पैसे की लेनदेन को लेकर नगर में एक बार फिर चाकूबाजी की घटना हुई है। उपरोक्त संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार रविदास वार्ड निवासी अरविंद कुर्रे को रकम लेनदेन के विवाद के बाद हुए गाली गलौच के बीच मोहन कोशले के छोटे भाई सत्री कोशले ने वहां पर पहुंचकर अरविंद कुर्रे के पेट में धारदार चाकू से प्रहार कर दिया। जिससे अरविंद कुर्रे के पेट में चोट पहुंची है। घटना के बाद पुलिस ने सत्री कोशले को पकड़कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी।

जनगणना में ओबीसी कॉलम जोड़ने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन

भाटापारा। राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी के कॉलम की मांग को लेकर ग्राम टिकुलिया में राष्ट्रीय ओबीसी महासभा की बैठक का आयोजन किया गया है। जिसमें आगामी 2027 में केन्द्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना किया जाना है के संबंध में चर्चा प्रस्तावित है। उक्त बैठक में राष्ट्रीय ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कमला साहू उपस्थित रहेंगे। उक्त कार्यर म में ओबीसी वर्ग की जाति जनगणना नही किये जाने से ओबीसी समाज को होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार पूर्वक चिचार विमर्श किया जायेगा। यह विदित रहे कि केन्द्र सरकार द्वारा पूर्व में यह कहा गया था कि इस बार की जनगणना में जाति जनगणना करायेंगे। किंतु प्रस्तावली में ओबीसी के लिए कॉलम नही दिये जाने से एक बार फिर ओबीसी समाज चिंतित है इस संबंध में राष्ट्रीय ओबीसी महासभा संपूर्ण राज्य में ओबीसी समाज को जागरूक करने का प्रयास कर रही है। इस संबंध में राष्ट्रीय ओबीसी महासभा के द्वारा आगामी 14व 15 दिसंबर को नई दिल्ली में धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। उक्ताशय की जानकारी लोकेश कुमार वर्मा अधिकता ने दी है।

बीएसपी के आवासधारियों को राहत, किराए में 75 प्रतिशत तक की कटौती



रायपुर। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) की टाउनशिप में रहने वाले हजारों परिवारों की लंबे समय से चली आ रही आवास किराए की समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के बाद बीएसपी प्रबंधन ने रिटेंशन स्कीम तथा थर्ड पार्टी श्रेणी के आवासों का किराया घटाकर 6 रुपए प्रति वर्गफीट प्रतिमाह कर दिया है। इस फैसले से करीब चार हजार आवासधारियों को राहत मिलने का अनुमान है। विशेष रूप से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए यह निर्णय आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण साबित होगा, क्योंकि रिटेंशन श्रेणी में किराए की दर 75 प्रतिशत कम हुई है। इस बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में भिलाई स्टील प्लांट के सेवानिवृत्त कार्मिक कल्याण संघ और थर्ड पार्टी कल्याण संघ के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय, विधायक ललित चंद्राकर एवं रिकेश सेन सहित दुर्ग-भिलाई के अनेक जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। बीएसपी टाउनशिप के आवासधारियों को बड़े हुए किराए के कारण हो रही परेशानियों का विषय मुख्यमंत्री श्री साय की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में प्रमुखता से रखा गया था। बैठक के दौरान रिटेंशन और थर्ड पार्टी श्रेणी के आवासों के लिए निर्धारित अलग-अलग किराया दरों तथा उनमें हुई वृद्धि से उत्पन्न परिस्थितियों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

खनिज संपदा का उपयोग कर छत्तीसगढ़ को विकास ग्रोथ इंजन बनाएंगे : सीएम

छत्तीसगढ़ को खनिजों से 16 हजार 738 करोड़ रुपए का राजस्व

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है और देश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में प्रदेश के खनिज संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकार केंद्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर खनिज संसाधनों का समुचित, वैज्ञानिक और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा प्रयास है कि खनिज संपदा का लाभ केवल औद्योगिक विकास तक सीमित न रहे, बल्कि इसका सीधा लाभ स्थानीय लोगों, विशेष रूप से खनन प्रभावित क्षेत्रों और जनजातीय समुदायों तक पहुंचे। खनिज संसाधनों के बेहतर प्रबंधन, निवेश, रोजगार सृजन और समावेशी विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को देश के विकास का प्रमुख ग्रोथ इंजन



बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय अपने निवास कार्यालय रायपुर में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी की उपस्थिति में आयोजित खनन एवं कोयला क्षेत्र की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रदेश में खनिज अन्वेषण, खनिज ब्लॉकों की नीलामी, कोयला उत्पादन, क्रिटिकल एवं रणनीतिक खनिजों के विकास, जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) की राशि के उपयोग तथा खनन गतिविधियों में आधुनिक तकनीक के समावेश सहित विभिन्न विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश की बढ़ती औद्योगिक और आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप खनिज संसाधनों का अन्वेषण और उपयोग किया जाना आवश्यक है।

नवाचारों और खनन की केंद्रीय मंत्री ने की सराहना

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने खनन क्षेत्र में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए जा रहे नवाचारों, राजस्व वृद्धि और तकनीक आधारित प्रशासनिक सुधारों की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही है और ये देश में जहां भी जाते हैं, राज्य सरकार के अच्छे कार्यों और प्रयासों की प्रशंसा करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में खनिज संसाधनों के बेहतर प्रबंधन, पारदर्शिता और सुचना प्रौद्योगिकी के उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। विशेष रूप से खनिज ऑनलाइन 2.0 पोर्टल, ड्रोन आधारित मॉनिटरिंग, खनन गतिविधियों की स्टार रेटिंग और डिजिटल निगरानी व्यवस्था की उन्होंने प्रशंसा की।

दिवाली से पहले अमूल ने कुछ प्रोडक्ट्स की कीमतों में किया इजाफा

रायपुर, नई दिल्ली। दीवाली से ठीक पहले देश में डेयरी सेक्टर की बड़ी कंपनी अमूल ने अपने मिल्क प्रोडक्ट्स की कीमतों में तगड़ी बढ़ोतरी का इजाफा दिया है. फेसिव डिमांड बढ़ने और कई मार्केट में सप्लाई की कमी की खबर के बीच अमूल अपना घी और मक्खन महंगा कर दिया है। अमूल की ओर से कीमतों में की गई इस बढ़ोतरी से ग्राहकों पर घर का खर्चे बढ़ने वाला है. अमूल ने अपने सामानों के दाम ऐसे समय में बढ़ाए हैं, जबकि त्योहारों पर लोग अपने घर में इस्तेमाल होने वाले डेयरी प्रोडक्ट्स की जमकर खरीदारी करते हैं. बात करें इस कीमत बढ़ोतरी के पीछे के कारण के बारे में, तो गुजरात और राजस्थान में बल्डिड घी की बढ़ती डिमांड के बीच कीमतों में यह चेंज किया गया है। रिपोर्ट्स में डिमांड में बढ़ोतरी को संदिग्ध मिलावटी डेयरी प्रोडक्ट्स के खिलाफ कार्रवाई से जोड़ा गया है। ताजा प्राइस हाइक को देखें, तो अमूल घी के 1 किलो वाले कार्टन की कीमत में सीधे 50 रुपये का इजाफा कर दिया गया है.

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, याचिका खारिज

नई दिल्ली/रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस विधायक भूपेश बघेल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को उनकी नई याचिका खारिज करते हुए छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। यह मामला वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में पाटन सीट से भूपेश बघेल की जीत को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका से जुड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान चुनाव विवाद के निपटारे में हो रही देरी पर नाराजगी जताई और स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों का फैसला उचित समयसीमा के भीतर होना चाहिए। अदालत के इस फैसले के बाद हाई कोर्ट में चुनाव याचिका की सुनवाई आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने की। भूपेश बघेल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और विवेक तन्खा उपस्थित हुए। याचिका में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें चुनाव याचिका को सुनवाई के दौरान समयसीमा से जुड़े प्रश्न को अलग से प्रारंभिक मुद्दे के रूप में तय करने से इनकार कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमे की कार्यवाही में देरी होने पर कड़ी टिप्पणी की। न्यायमूर्ति वी. मोहना ने भूपेश बघेल



के वकीलों से कहा कि मुकदमे की सुनवाई आगे बढ़ने दी जाए। उन्होंने कहा कि मामले में फैसला आएगा, लेकिन लगातार आवेदन दाखिल होने से कार्यवाही प्रभावित हो रही है। अदालत ने यह भी पूछा कि समयसीमा से जुड़ी आपत्ति पहले क्यों नहीं उठाई गई। कपिल सिब्बल ने दलील दी कि हाई कोर्ट ने प्रारंभिक मुद्दे पर विचार करने की आवश्यकता नहीं मानकर गलती की है। उनके अनुसार, अदालत को यह तय करना चाहिए था कि चुनाव याचिका निर्धारित वैधानिक अवधि के भीतर दाखिल हुई थी या नहीं। सिब्बल ने आग्रह किया कि समयसीमा के सवाल पर पहले निर्णय दिया जाए या फिर यह नहीं माना जाए कि इससे जुड़ा कोई मुद्दा ही नहीं बनता। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया। न्यायमूर्ति मोहना ने कहा कि समयसीमा का प्रश्न तथ्यों और कानून दोनों से जुड़ा हुआ है। ऐसे में इसे अलग करके शुरुआती चरण में तय करना आवश्यक नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने भी सवाल उठाया कि यदि यह आपत्ति महत्वपूर्ण थी, तो भूपेश बघेल की ओर से पहले दाखिल लिखित जवाब में संशोधन की मांग क्यों नहीं की गई। न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने कहा कि चुनाव याचिकाओं का निपटारा समयबद्ध ढंग से होना चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि यदि इस स्तर पर नए आवेदन स्वीकार किए जाते हैं, तो आगे और आवेदन तथा संशोधन की मांग सामने आ सकती है। इससे मुख्य चुनाव विवाद के निपटारे में अतिरिक्त समय लगेगा। पीठ ने चुनाव संबंधी मामलों में अनावश्यक देरी से बचने की आवश्यकता पर जोर दिया। सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने अदालत को आश्वस्त किया कि भूपेश बघेल अपनी ओर से दाखिल लिखित बयान में संशोधन के लिए कोई नया आवेदन नहीं देंगे। उन्होंने इस आश्वासन को रिकॉर्ड पर लेने का आग्रह भी किया। शीर्ष अदालत ने वरिष्ठ अधिवक्ता के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता पर जुर्माना नहीं लगाया। इसके बाद पीठ ने याचिका खारिज करते हुए हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा।

पंथी, कथक, आदिवासी नृत्य, जसगीत और नाट्य प्रस्तुतियों ने बिखेरी छटा

छत्तीसगढ़ी माटी की महक और बॉलीवुड गीतों की गूंज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के अंतिम दिन नवा रायपुर का राज्योत्सव मेला मैदान लोकसंस्कृति, संगीत और कला के अनुपम संगम का साक्षी बना। एक ओर छत्तीसगढ़ी माटी की सोंधी महक से सराबोर लोकगीतों की मधुर धुनें थीं, तो दूसरी ओर बॉलीवुड के सदाबहार गीतों की गूंज। पंडवानी की लोकगाथाओं से लेकर पंथी नृत्य की ऊर्जा, कथक की कलात्मकता और सूफी संगीत की रूहानियत तक, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने राज्योत्सव की अंतिम संध्या को यादगार बना दिया। राज्योत्सव के अंतिम दिन प्रसिद्ध बॉलीवुड पार्श्व गायक अभिजीत भट्टाचार्य, छत्तीसगढ़ी गायक सुनील सोनी और लोक कलाकार उषा बारले की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। वहीं शिल्प ग्राम मंच पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कलाकारों ने छत्तीसगढ़ की लोककला और भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की विविध विधाओं का प्रदर्शन किया।

पार्श्व गायक अभिजीत के नगमों से सजी सुरमयी शाम

राज्योत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में बॉलीवुड के प्रसिद्ध पार्श्व गायक अभिजीत ने अपनी सुरीली आवाज से हिंदी फिल्म संगीत का जादू बिखेरा। उनके लोकप्रिय गीतों ने संध्या को बॉलीवुड के सदाबहार नगमों के रंग में रंग दिया। अभिजीत ने 'चांद तारें', 'हां, यहां कदम-कदम पर हसीन आये हैं.....' और 'आशिक हूँ मैं, कातिल भी हूँ..... जैसे लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए। इसके साथ ही 'बादशाह ओ बादशाह' गीत ने



कार्यक्रम में उत्साह का रंग घोला। उन्होंने 'बहुत खूबसूरत हो....' और 'वादा रहा सनम....' जैसे रोमांटिक गीतों से संगीतप्रेमियों की शाम यादगार बनाई। छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत के लोकप्रिय गायक सुनील सोनी ने अपनी सुमधुर आवाज और मनमोहक गीतों से राज्योत्सव की सांस्कृतिक संध्या को छत्तीसगढ़ी रंगों में रंग दिया। उनके गीतों में प्रदेश की माटी से लगाव, मां के प्रति सम्मान, प्रेम और आत्मीयता की भावनाएं झलकती रहीं। सुनील सोनी ने 'छैंया भुईया ला छोड़ तैं.....' गीत से छत्तीसगढ़ की धरती से जुड़े भावों को स्वर दिया। वहीं 'झन भूली मां-बाप ला....' जैसे भावपूर्ण गीतों के माध्यम से माता-पिता के त्याग, ममता और उनके प्रति सम्मान का संदेश दिया। इसके बाद 'मीठ-मीठ लागे मया के बानी.....' और छत्तीसगढ़ी फिल्म हांडा के लोकप्रिय गीत 'ए गोरी ओ गोरी.....' की प्रस्तुति से सांस्कृतिक संध्या में प्रेम और उल्लास के रंग घुल गए।

उषा बारले की पंडवानी में लोकगाथा परंपरा

राज्योत्सव के अंतिम दिन सुप्रसिद्ध लोक कलाकार उषा बारले ने पंडवानी की प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककथात्मक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को मंच पर जीवंत किया। अंतिम दिन शिल्प ग्राम मंच भी सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना रहा। यहां भजन गायन से लेकर पंथी नृत्य, लोकमंच, जसगीत-जगराता, आदिवासी लोक संगीत, कथक, सूफी संगीत और नाटक सहित कुल 10 सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। रायपुर की सुश्री आस्था भट्ट ने भजन गायन से कार्यक्रम में भक्तिमय वातावरण का संचार किया। दुर्ग की श्रीमती आरती बारले और रायपुर के श्री दिनेश कुमार जांगड़े के दलों ने पंथी नृत्य प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोकनृत्य परंपरा की झलक दिखाई।

सरस्वती शिशु मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दीपोत्सव

सुआ नृत्य, गौरी-गौरा और राउत नाच की आकर्षक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खमरिया। सरस्वती शिशु मंदिर, थान खमरिया में 5 नवंबर को दीपावली के पावन अवसर पर दीपोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के भैया-बहनों ने छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं एवं संस्कृति पर आधारित सुआ नृत्य, गौरी-गौरा, राउत नाच सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। विद्यालय परिसर में दीप प्रज्वलित किए गए तथा बच्चों ने फुलझड़ियां जलाकर दीपावली की खुशियां मनाईं।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, ऐतिहासिक रीति-रिवाजों एवं लोक परंपराओं से परिचित कराने के साथ-साथ उनकी छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना था। ऐसे आयोजनों से बच्चों में सांस्कृतिक चेतना



विकसित होती है तथा समाज और परिवार में भाईचारा, पारस्परिक संबंध एवं एकता की भावना मजबूत होती है।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल ने दीपावली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दीप का अर्थ प्रकाश है। दीपावली का पर्व प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का प्रकाश लेकर आए, यही इसकी सार्थकता है।

समिति के उपाध्यक्ष सुरेश सिंघानिया ने दीपावली पर्व पर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी के जीवन में प्रेम, सद्भावना और आपसी सहयोग की भावना विकसित होनी चाहिए। वहीं सहसचिव पुरुषोत्तम सिंघानिया ने पर्व के दौरान स्वच्छता बनाए रखने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि दीपावली अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें सकारात्मकता, स्वच्छता और सद्भाव के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम का सफल संचालन बहन गीतिका तिवारी ने किया तथा आभार प्रदर्शन विद्यालय के प्राचार्य लखन लाल साहू ने किया। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त आचार्य एवं दीदियों का सराहनीय योगदान रहा।





धनतेरस कब? पूजा, खरीदारी का शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में हर त्योहार और पर्व का अपना अलग महत्व है. धनतेरस का दिन हिंदू धर्म में विशेष माना गया है. इस दिन लक्ष्मी पूजा के साथ खरीदारी का विशेष महत्व होता है. इस दिन पूजा प्रदोष काल के दौरान की जाती है. प्रदोष काल सूर्यास्त के बाद प्रारम्भ होता है, जो लगभग ढाई घंटे तक रहता है. धनतेरस को धन्वन्तरि त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है.

धनतेरस का दिन धन्वंतरि त्रयोदशी या धन्वंतरि जयंती के रूप में भी मनाया जाता है, जो आयुर्वेद के देवता भगवान धन्वंतरि का जन्म दिवस है. इस दिन यम दीपम भी जलाए जाते हैं. परिवार के किसी भी सदस्य की असामयिक मृत्यु से बचने के लिए मृत्यु के देवता यमराज के लिए घर के बाहर दीपक जलाया जाता है, जिसे यम दीपम कहा जाता है. यह धार्मिक संस्कार त्रयोदशी तिथि के दिन किया जाता है.

शुक्रवार के है धनतेरस का पर्व

उपरोक्त तिथि के प्रारंभ और अंत के मान से 06 नवंबर को शाम को प्रदोषकाल रहेगा। इस मान से धनतेरस का पर्व 06 नवंबर 2026 शुक्रवार को ही मनाया जाएगा। धनतेरस पर लक्ष्मी पूजन का सबसे उत्तम समय सूर्यास्त के बाद का 'प्रदोष काल' माना जाता है, जो लगभग 2 घंटे 24 मिनट तक रहता है।6 नवंबर को प्रदोष काल स्पष्ट रूप से प्राप्त हो रहा है, इसलिए धनतेरस का पूजन इसी दिन होगा।

धनतेरस पूजा का शुभ मुहूर्त

त्रयोदशी तिथि प्रारंभ: 06 नवंबर को सुबह 10:30 बजे से।
त्रयोदशी तिथि समाप्त: 7 नवंबर को सुबह 10:47 बजे तक।
अभिजीत मुहूर्त : दिन में 11:43 से 12:26 तक।
विजय मुहूर्त : दोपहर 01:54 से 02:38 तक।
गोधूलि मुहूर्त : शाम को 05:32 से 05:59 तक।
प्रदोष काल- शाम 05:32 से रात्रि 08:09 तक।
वृषभ काल- शाम 06:02 से रात्रि 07:57 तक।
धनतेरस पूजा मुहूर्त- शाम 06:02 से रात्रि 07:57 तक।

धनतेरस पर क्या खरीदें और क्या न खरीदें?

क्या खरीदें - चांदी/सोने के सिक्के, बर्तन, झाड़ू, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन या धातु से बनी चीजें।
क्या न खरीदें - कांच, एल्युमिनियम या लोहे के सामान, काली वस्तुएं या नुकीली चीजें (छुरी, कैंची आदि)।



धनतेरस पर बरसेगा धन अगर...

धनत्रयोदशी का पर्व मनाया जाएगा। इस पर्व के नाम में ही धन है अर्थात इस दिन धनपति या अलीर बनने के लिए पूजा, पाठ और ज्योतिष उपाय किए जाते हैं। यदि आप भी चाहते हैं धन समृद्धि तो धन तेरस पर करें ये बड़े काम।

- धनिया से दूर होगी आर्थिक परेशानी : धन तेरस के दिन साबुत धनिया खरीदें और फिर उसकी पूजा करके उसे भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी के समक्ष अर्पित कर दें। इसके बाद अपनी मनोकामना बताकर कुछ धनिया बर्तन में डाल दें और कुछ को लाल कपड़े में बांधकर अपनी तिजोरी में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से जल्द से जल्द आपकी आर्थिक परेशानी दूर होगी। ऐसा करने से धन का नुकसान भी नहीं होता है।
- दीपदान से मिलेगी कर्ज से मुक्ति : परिवार के सभी सदस्यों के घर आने और आने-पीने के बाद सोते समय एक पुराने दीपक में सरसों का तेल डालकर उसे जलाया जाता है। फिर उसे घर में सभी जगह घुमाया जाता है और इसके बाद यह दीपक घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर नाली या कूड़े के ढेर के पास रख दिया जाता है। इसके बाद जल चढ़ा कर दीपदान करते समय यह मंत्र बोला जाता है-

मृत्युना पाशहस्तेन कालेन भार्यया सह।
त्रयोदश्यां दीपदानात्सूर्यज: प्रीतयामिति।।

- बताशे और खीर का लगाएं भोग : धनतेरस के दिन माता लक्ष्मी को बताशे और खीर का भोग लगाने से से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और इससे आपकी तिजोरी में कभी भी धन की कमी नहीं होगी।
- हल्दी की गांठ से बढ़ेगा धन : इस दिन कुछ खड़ी हल्दी खरीदना भी शुभ है। शुभ मुहूर्त देखकर बाजार से गांठ वाली पीली हल्दी अथवा काली हल्दी को घर लाएं। इस हल्दी को कोरे कपड़े पर रखकर स्थापित करें तथा षोडशोपचार से पूजन करें। यह भी धन समृद्धि को बढ़ाने वाला उपाय है।
- तिजोरी में रखें सुपारी : धनतेरस की पूजा में भी सुपारी का प्रयोग किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार, सुपारी को ब्रह्मदेव, वरुण देव, यमदेव और इंद्रदेव का प्रतीक माना जाता है। पूजा के बाद सुपारी को तिजोरी या अलमारी में रखना शुभ माना गया है। इससे आपके जीवन में कभी धन की कमी नहीं होगी और तिजोरी हमेशा धन से भारी रहेगी।

पूरे विधि-विधान से करें धनतेरस पूजा

धनतेरस केवल खरीदारी का नहीं, बल्कि परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और दीर्घायु के लिए ईश्वर से प्रार्थना करने का पर्व है। आइए जानते हैं, पूरे विधि-विधान से धनतेरस पूजा कैसे करें, पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और पूजन के लिए क्या-क्या सामग्री चाहिए?

धनतेरस, दीपावली से पहले मनाया जाने वाला पहला और अत्यंत शुभ पर्व है। यह दिन न सिर्फ खरीदारी के लिए विशेष होता है, बल्कि इस दिन की गई पूजा से घर में समृद्धि, स्वास्थ्य और सौभाग्य आता है। वर्ष 2026 में धनतेरस का पर्व 6 नवंबर को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा की जाती है।

धनतेरस की पूजा विधि

घर और पूजा स्थान की सफाई करें – मुख्य द्वार और पूजा स्थल को अच्छे से साफ करें और रंगोली बनाएं।
पूजा चौकी सजाएं – उत्तर-पूर्व दिशा में एक चौकी रखें, उस पर लाल या पीले रंग का कपड़ा बिछाएं।
कलश की स्थापना करें – एक तांबे या मिट्टी का कलश लें, उसमें गंगाजल और साफ पानी भरें, आम के पत्ते डालें और ऊपर नारियल रखें।
देवताओं की प्रतिमाएं रखें – भगवान धन्वंतरि, देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर और गणेश जी की मूर्तियां या चित्र स्थापित करें।
षोडशोपचार पूजा करें – हल्दी, कुमकुम, चंदन, अक्षत, फूल, दीप, धूप, मिठाई और दक्षिणा से पूजा करें।
दीपक जलाएं – पूजा के समय गाय के घी का बड़ा दीपक और 13 छोटे दीये जलाएं।
भोग और आरती करें – खील, बताशे, मेवे और मिठाइयों का भोग लगाएं, फिर आरती करें।

धनतेरस पूजा सामग्री की संपूर्ण सूची

- भगवान धन्वंतरि, लक्ष्मी और कुबेर की मूर्तियां या चित्र • गंगाजल और साफ पानी • हल्दी, कुमकुम, चंदन, इत्र
- फूल और फूलों की माला • कलावा (मौली), जनेऊ • पूजा चौकी और लाल/पीला कपड़ा • कलश, आम के पत्ते, नारियल • खील, बताशे, मिठाई, मेवे • अक्षत (चावल), साबुत धनिया • 13 मिट्टी के दीपक, गाय का घी, कपूर, अगरबत्ती • दक्षिणा, नमक • चांदी/सोने का सिक्का या नई धातु की वस्तु • नई झाड़ू





कैसे करते हैं भगवान धन्वंतरि की आराधना

धनतेरस का त्योहार 6 नवंबर को मनाया जाएगा। इस दिन धन्वंतरि देव की जयंती है और इसी दिन उनकी पूजा के साथ ही कुबेर, लक्ष्मी, गणेश और यम की पूजा भी की जाती है। आओ जानते हैं कि किस तरह करें इन देवों की घर में ही पूजा। सरल तरीके से पूजा करने की विधि।

धनतेरस की पूजा

- इस दिन प्रातः उठकर नित्यकर्म से निवृत होकर पूजा की तैयारी करें।
- घर के ईशान कोण में ही पूजा रखें। पूजा के समय हमारा मुंह ईशान, पूर्व या उत्तर में होना चाहिए।
- पूजन के समय पंचदेव की स्थापना जरूर करें। सूर्यदेव, श्रीगणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु को पंचदेव कहा गया है। पूजा के समय सभी एकत्रित होकर पूजा करें। पूजा के दौरान किसी भी प्रकार शोर न करें।
- इस दिन धन्वंतरि देव की षोडशोपचार पूजा करना चाहिए। अर्थात 16 क्रियाओं से पूजा करें। पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन, ताम्बूल, स्तवपाठ, तर्पण और नमस्कार। पूजन के अंत में सफलता सिद्धि के लिए दक्षिणा भी चढ़ाना चाहिए।
- इसके बाद धन्वंतरि देव के सामने धूप, दीप जलाएं। फिर उनके मस्तक पर हल्दी कुंकू, चंदन और वाघट लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। पूजन में अनामिका अंगुली (छोटी अंगुली के पास वाली यानी रिंग फिंगर) से गंध (चंदन, कुम्कुम, अबीर, गुलाल, हल्दी आदि) लगाना चाहिए। इसी तरह ऊपरोक्त षोडशोपचार की सभी सामग्री से पूजा करें। पूजा करते वक्त उनके मंत्र का जाप करें।
- पूजा करने के बाद प्रसाद या नैवेद्य (भोग) चढ़ाएं। ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है। प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है।
- अंत में उनकी आरती करके नैवेद्य चढ़ाकर पूजा का समापन किया जाता है।
- मुख्य पूजा के बाद अब मुख्य द्वार या आंगन में प्रदोष काल में दीये जलाएं। एक दीया यम के नाम का भी जलाएं। रात्रि में घर के सभी कोने में भी दीए जलाएं।
- घर में या मंदिर में जब भी कोई विशेष पूजा करें तो अपने इष्टदेव के साथ ही स्वस्तिक, कलश, नवग्रह देवता, पंच लोकपाल, षोडश मातृका, सप्त मातृका का पूजन भी किया जाता। लेकिन विस्तृत पूजा तो पंडित ही करता है अतः आप ऑनलाइन भी किसी पंडित की मदद से विशेष पूजा कर सकते हैं। विशेष पूजन पंडित की मदद से ही करवाने चाहिए, ताकि पूजा विधिवत हो सके।



नरक चतुर्दशी पर 14 दीपक जलाएं यहां पर होगा बहुत ही शुभ

धनतेरस अर्थात धन त्रयोदशी के दिन 13 और नरक चतुर्दशी के दिन 14 दीपक जलाने की परम्परा है। नरक चतुर्दशी के दिन घर में मुख्यतः पांच दीये जलाने का प्रचलन है। इनमें से एक दीया घर के पूजा पाठ वाले स्थान, दूसरा रसोई घर में, तीसरा उस जगह जलाना चाहिए जहां हम पीने का पानी रखते हैं, चौथा दीया पीपल या वट के पेड़ तले रखना चाहिए। वहीं पांचवां दीया घर के मुख्य द्वार पर जलाना चाहिए। घर के मुख्य द्वार पर जलाया जाए वह दीया चार मुंह वाला होना चाहिए और उसमें चार लंबी बत्तियों को जलाना चाहिए।

इसके अलावा आप और भी दीए जलाना चाहें तो 7, 13, 14 या 17 की संख्या में दीए जला सकते हैं। कई लोग छोटी दिवाली के दिन 14 दीपक जलाते हैं।

निम्नलिखित जानकारी मान्यता और किंवदंतियों पर आधारित है। परंपरा यह देख गया है कि हर राज्य में अलग अलग मान्यताएं हैं कोई समय संख्या में तो कोई विषम संख्या में दीपक जलाता है परंतु उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि किस जगह पर किसके निमित्त दीपक जलाया जा रहा है।

- पहला दीया रात में सोते वक्त यम का दिया जो पुराना होता है और जिसमें सरसों का तेल डालकर उसे घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर कूड़े के ढेर के पास रखा जाता है।
- दूसरा दीया किसी सुनसान देवालय में रखा जाता है जोकि घी का दिया होता है। इसे जलाने से कर्ज से मुक्ति मिलती है।
- तीसरा दीया माता लक्ष्मी के समक्ष जलाते हैं।
- चौथा दीया माता तुलसी के समक्ष जलाते हैं।
- पांचवां दीया घर के दरवाजे के बाहर जलाते हैं।
- छठा दीया पीपल के पेड़ के नीचे जलाते हैं।
- सातवां दीया किसी मंदिर में जलाकर रख दें।
- आठवां दीया घर में कूड़ा कचरा रखने वाले स्थान पर जलाते हैं।
- नौवां दीया घर के बाथरूम में जलाते हैं।
- दसवां दीया घर की छत की मुंडेर पर जलाते हैं।
- ग्यारहवां दीया घर की छत पर जलते हैं।
- बारहवां दीया घर की खिड़की के पास जलाते हैं।
- तेरहवां दीया- घर की सीढ़ियों पर जलाते हैं या बरामदे में।
- चौदहवां दीया रसोई में या जहां पानी रखा जाता है वहां जलाकर रखते हैं।



जिला स्तरीय तिलहन मेले में सांसद विजय बघेल ने किसानों को किया संबोधित

कहा- किसान देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत रीढ़, आधुनिक तकनीक और जैविक खेती अपनाकर बनें आर्थिक रूप से सशक्त

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया





थान खम्हरिया। कृषि विभाग द्वारा खूबचंद बघेल सभागार, अटारी पाटन में जिला स्तरीय तिलहन मेले का आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। इस दौरान कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को तिलहन फसलों में लगने वाले विभिन्न कीट एवं रोगों की पहचान, उनके उपचार तथा आधुनिक कृषि तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा और भारत को कृषि प्रधान देश कहा जाता है। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों और मजदूरों के हितों को ध्यान में रखते हुए लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रहे हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर दिखाई दे रहा है।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि वर्तमान समय तकनीक का युग है। कृषि क्षेत्र में आधुनिक उपकरणों और नई तकनीकों के उपयोग से किसान बेहतर एवं उन्नत किस्म की फसलें तैयार कर रहे हैं और आर्थिक रूप से मजबूत बन रहे हैं। उन्होंने हाल ही में प्राकृतिक आपदा के कारण फसलों को हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार किसानों के साथ खड़ी है। फसल क्षति से प्रभावित किसानों को मुआवजा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने किसानों से रासायनिक खाद के अत्यधिक उपयोग से बचने तथा जैविक खाद को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जैविक खाद के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता और खेती की गुणवत्ता बनी रहती है, जिससे कृषि उत्पादन को लंबे समय तक बेहतर बनाया जा सकता है। इस अवसर पर किसानों को सरसों के बीज किट का वितरण भी किया गया, ताकि वे तिलहन फसलों की खेती को प्रोत्साहित कर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती नीलम राजेश चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निकोभाले, उपाध्यक्ष श्रीमती निशा सोनी, केवल देवांगन, प्रकाश बिजौरी, सहायक संचालक सुमन कोर्राम, राजा पाटक, रूप सिंह सिन्हा, वीरेंद्र साहू, डेहरालाल, मुकेश मढ़रिया, मानधाता वर्मा, मनीष साहू, हरीश वर्मा, शीतल साहू, नागेश कश्यप, सुनील वर्मा, रूपेंद्र साहू, छगन साहू, ममता वर्मा, योगेश वर्मा, झरना चंद्राकर एवं सतीश वर्मा सहित कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन परमेश साहू ने किया तथा आभार प्रदर्शन वरिष्ठ कृषि अधिकारी पुष्पा राम टेके ने किया।

सड़क जाम को लेकर अभियान टीम के आग्रह का असर शून्य जगह - जगह जाम

ब्यूरोचीफ संतोष साहू



भाटापारा। आगामी दीपावली त्यौहार को लेकर शहर के प्रमुख चहल - पहल वाले मार्ग एवं बाजार में आवा- जाही की समस्या को देखते हुए प्रशासन द्वारा व्यापारियों से आग्रह किया गया कि वे अपने दुकानों के सामान व विज्ञापन बोर्ड सड़क पर न रखे। दीपावली के पावन पर्व पर बाजारों में उमड़ने वाली भारी भीड़ संभावित यातायात जाम की समस्या से निपटने के लिए संयुक्त निरीक्षण टीम ने बाजार में व्यवस्था बनाये रखने के लिए दुकानदारों से अनावश्यक विज्ञापन बोर्ड, बैनर, होल्डिंग्स व दुकान के सामान सड़क पर न रखने का आग्रह किया है। उक्त अभियान में तहसीलदार यशवंत राज , नायब तहसीलदार कुलदीप पटेल, थानेदार अमित पाटले व पालिका कर्मचारी देवा बंजारे, गजेन्द्र ठाकुर, सौरभ ठाकुर, गजहंस ठाकुर, विकास वैष्णव , केशव वैष्णव , सचिन मसीह, प्रतीक साहू, देवेन्द्र गुप्ता सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे। प्रशासन के अभियान के बावजूद राम सप्ताह चौक से गोविंद चौक सदर बाजार एवं गोविंद चौक से महासती मंदिर मार्ग पर कोई सुधार देखने को नही मिला और सड़क जाम के हालात लगातार आज भी बने रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर प्रवास के दौरान विश्राम गृह परिसर में डिजिटल ट्रांसफॉर्मिंग वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एनआईआईटी फाउंडेशन द्वारा इंडस टावर्स के सहयोग से संचालित यह पहल जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास के अवसरों का विस्तार करेगी। इसके माध्यम से ग्रामीण बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं अन्य नागरिकों को आधुनिक डिजिटल तकनीक से जोड़कर उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आज के दौर में डिजिटल साक्षरता केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसरों का आधार बन चुकी है।

ट्रेन सुविधा बढ़ाने एवं विभिन्न ट्रेनों का स्टॉपेज भाटापारा में देने की पुरजोर मांग



भाटापारा। छत्तीसगढ़ राज्य में ट्रेन सुविधा बढ़ाने की मांग क्षेत्र के रेल यात्रियों ने करते हुए रायपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद से इस दिशा में ठोस पहल करने की मांग की है यात्रियों ने कहा है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को सर्वाधिक राजस्व छत्तीसगढ़ प्रांत से मिल रहा है। उसको मद्दे नजर रखते हुए 12849-12850 बिलासपुर - पुणे साप्ताहिक ट्रेन को प्रतिदिन संचालित किये जाने की मांग की है। इसी तरह दुर्ग - अजमेर एक्सप्रेस को भी रोजाना चलाने की मांग यात्रियों ने की है। सिकंदराबाद - रायपुर एक्सप्रेस को बिलासपुर तक विस्तार करके चलाने की भी मांग यात्रियों ने की है व आगे कहा है कि दक्षीराजहरा - रायपुर ट्रेन को भी विस्तारित करते हुए बिलासपुर तक चलाने की मांग रेल यात्रियों ने करते हुए जनहित में ठोस कदम उठाने की मांग की है। इसी प्रकार मुंबई - नागपुर सेवाग्राम एक्सप्रेस ट्रेन को भी बिलासपुर तक विस्तार करके चलाने की मांग यात्रियों ने उठाई है। यात्रियों का कहना है कि इसी तरह इंदौर से बिलासपुर, चिरमिरी से बिलासपुर , रीवा से बिलासपुर, जेपाल से बिलासपुर तथा टाटानगर से बिलासपुर तक चलने वाली तमाम ट्रेनों को विस्तार करते हुए दुर्ग से चलाने की पुरजोर मांग यात्रियों ने की है ताकि छत्तीसगढ़ राज्य के ज्यादा से ज्यादा लोगो को ट्रेन सुविधा का भरपुर लाभ प्राप्त हो सके रेल यात्रियों ने भाटापारा जैसे महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन में बिलासपुर - चेन्नई एक्सप्रेस, बिलासपुर - हापा एक्सप्रेस, बिलासपुर - नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस के अलावा हावड़ा - मुंबई गीतांजली एक्सप्रेस, दरभंगा - हैदराबाद एक्सप्रेस, कुर्ला - भुनेश्वर एक्सप्रेस, माल्दा टाऊन सुरत एक्सप्रेस का अनिवार्य रूप से ठहराव भाटापारा रेलवे स्टेशन में देने की मांग रेल यात्रियों ने की है।

चाकू से जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी को पुलिस ने दबोचा

ब्यूरोचीफ संतोष साहू



भाटापारा। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देश में शहर व क्षेत्र में हिंसक वारदातों को अंजाम देने वाले अपराधियों के विरूद्ध ठोस कार्यवाही करने के निर्देश के बाद पुलिस प्रशासन ने हत्या के प्रयास की एक गंभीर घटना में तत्परता से कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। बताया जाता है कि गत रात्रि संत रविदास वार्ड में रविदास चौक के पास योगेश कुर्रे व उसके चचेरे भाई अरविंद कुर्रे अपने घर जा रहे थे इसी दौरान मोहन कोशले और सन्नी कोशले नाम युवक द्वारा गाली गलौच करते हुए उसके साथ मारपीट की गई इसी बीच सन्नी कोशले ने पुराने रंजीश पर अरविंद कुर्रे की हत्या करने के नियत से अपने पास रखे एक धारदार चाकू से उसके पेट पर प्राणघातक हमला कर दिया जिसके कारण अरविंद कुर्रे बुरी तरह जख्मि हो गया। घटना को अंजाम देने के बाद भागने की फिराक में दोनो आरोपी थे लेकिन पुलिस की सायबर सेल की टीम ने तकनीकी विश्लेषण करते हुए तत्परता से उक्त दोनो आरोपी युवको को घेराबंदी कर धर दबोचा है । पकड़े गये दोनों आरोपी संत रविदास वार्ड निवासी मोहन कोशले व सन्नी कोशले के विरूद्ध पुलिस ने धारा 296, 351(2),109(1), 3(5) तथा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

अंतरराष्ट्रीय 'कादंबरी' सम्मान से वंदनागोपाल सम्मानित



भाटापारा । अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक संस्था 'कादंबरी' द्वारा आयोजित अखिल भारतीय साहित्यकार - पत्रकार सम्मान समारोह वर्ष 2026 में साहित्यकार एवं समाजसेवी डॉ वंदनागोपाल शर्मा शैली को उनकी साहित्यिक कृति अहसास प्रेम का के लिए सम्मानित किया गया । इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ साहित्यकार आचार्य भागवत दुबे ने वंदनागोपाल शैली को सम्मान पत्र ,शाल ,श्रीफल ,सम्मान राशी एवं स्मृति चिन्ह जेंट कर सम्मानित किया। यह सम्मान उनकी वर्षों की साहित्य साधना ,रचनात्मक प्रतिभा एवं साहित्य के प्रति समर्पण का गौरवपूर्ण प्रतिफल है । उनकी इस उपलब्धि में भाटापारा नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र का साहित्यिक गौरव बढ़ा है। संस्था के आचार्य भागवत दुबे के मार्गदर्शन में साहित्य गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है। आयोजन का सफल संचालन राजेश पाठक प्रवीण ने किया। शैली के सम्मानित होने पर साहित्य अनुरागी और शुभचिंतकों ने एवं नगर वासियों ने बधाई दी है।

दीपावली से पहले खेल मैदान में सजा पटाखा बाजार, 37 दुकानें लगीं

नगर पंचायत ने लॉटरी पद्धति से किया दुकानों का आवंटन, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठे सवाल

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया





थान खम्हरिया। दीपावली पर्व नजदीक आते ही नगर में उत्साह और रौनक बढ़ने लगी है। दीपावली पर आतिशबाजी की परंपरा को देखते हुए नगर के खेल मैदान में पटाखा बाजार सजकर तैयार हो गया है। यहां लगभग 37 पटाखा दुकानों का संचालन किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्र के बजाय खुले खेल मैदान में पटाखा दुकानें लगाने की अनुमति दी गई है। इसका उद्देश्य आतिशबाजी के दौरान होने वाली संभावित दुर्घटनाओं से बचाव करना और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। नगर पंचायत द्वारा लॉटरी पद्धति से दुकानों का आवंटन किया गया है, ताकि दुकानदारों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत दुकानें मिल सकें।

प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि पटाखा दुकानदारों को निर्धारित सुरक्षा मानकों एवं दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति किसी को भी दुकान लगाने की छूट नहीं है। हालांकि, खेल मैदान में पटाखा बाजार सजने के बाद भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मौके पर देखने में आया है कि दुकानों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नजर नहीं आ रहे हैं। ऐसे में अग्निशमन व्यवस्था, पानी, रेत एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है। दीपावली के दौरान पटाखों की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ती है। ऐसे में प्रशासन को चाहिए कि समय रहते सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं, ताकि नगरवासी सुरक्षित वातावरण में दीपावली की खुशियां मना सकें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर-40/44 इंडस्ट्रीयल एरिया बीरगांव उरला रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / web- www.krantirath.com